mediaauditornews@gmail.com mediaauditor Epaperdainikmediaauditor.in mediaauditor वर्ष-28 अंक-352 पृष्ठ-8 मूल्य-3 रूपये

रीवा

23 दिसंबर 2024 सोमवार

दैनिक मीडिया ऑडीटर

दैनिक मीडियाऑडीटर

रीवा, सतना से एक साथ प्रकाशित

पंजाब किंग्स को ...

@ पेज 7

एयरपोर्ट पर सस्ती मिलेगी चाय, पानी और स्नैक्स

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश के सभी एयरपोर्ट्स पर महंगे खानपान का मुद्दा लंबे समय से यात्रियों के लिए परेशानी का कारण बना हुआ है। संसद के इसी शीतकालीन सत्र में आम आदमी पार्टी के

● सांसद राघव चड्ढा की मुहिम पर शुरू हुई

राज्यसभा सांसद राघव चड्ढा ने इस मुद्दे को पुरजोर तरीके से उठाते हुए एयरपोर्ट्स पर महंगे दामों पर मिलने वाले पानी, चाय और स्नैक्स की समस्या को उजागर किया था। उनके इस प्रयास का नतीजा ये हुआ कि अब सरकार ने इस मुद्दे पर संज्ञान लेते हुए ÷उड़ान यात्री कैफे÷ शुरू करने की योजना बनाई है। इसकी शुरुआत कोलकाता एयरपोर्ट से की जाएगी, जहां सस्ती दरों पर खानपान उपलब्ध कराया जाएगा।

कोलकाता एयरपोर्ट से होगी शुरुआत: केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्रालय ने घोषणा की है कि ÷उड़ान यात्री कैफे÷ की शुरुआत कोलकाता के नेताजी सुभाष चंद्र बोस अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे से की जाएगी। हालांकि यह एक पायलट प्रोजेक्ट होगा, जिसे बाद में एयरपोर्ट अथॉरिटी ऑफ इंडिया के अन्य हवाई अड्डों पर भी लागू किया जाएगा। इस कैफे में पानी की बोतल, चाय, कॉफी और स्नैक्स वाजिब दामों पर उपलब्ध होंगे, जिससे यात्रियों को काफी राहत मिलेगी।

सांसद राघव चड्ढा ने इस बात पर खुशी जाहिर करते हुए इसे एक सकारात्मक कदम बताया। उन्होंने कहा, ÷आखिरकार सरकार ने आम जनता की पुकार सुन ली। भले ही शुरुआत कोलकाता एयरपोर्ट से हुई है, लेकिन उन्हें उम्मीद है कि इसे जल्द ही देश के बाकी एयरपोर्ट्स पर भी लागू किया जाएगा। जिसके बाद हवाई यात्रा करने वाले हमारे देश के नागरिकों को एयरपोर्ट्स पर पानी, चाय या कॉफी के लिए 100-250 रुपये तक खर्च नहीं करने पड़ेंगे।÷ उन्होंने आगे कहा, ÷यह आम यात्रियों के लिए असुविधाजनक है। सरकार को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि यात्रियों को उचित कीमत पर बेहतर सुविधाएं मिलें।

संसद में उठाया था मुद्दा: एयरपोर्ट्स पर महंगे खानपान का मुद्दा उठाते हुए सांसद राघव चड्ढा ने संसद में कहा था कि देश के एयरपोर्ट्स पर यात्रियों को अत्यधिक महंगे खानपान और खराब प्रबंधन के कारण भारी परेशानी का सामना करना पड़ता है। उन्होंने कहा था, ÷एयरपोर्ट्स पर पानी की बोतल 100 रुपये की मिल रही है। एक कप चाय के लिए भी 200-250 रुपये खर्च करने पड़ते हैं। क्या सरकार एयरपोर्ट्स पर सस्ते और उचित मूल्य की कैंटीन शुरू नहीं कर सकती?÷ उन्होंने कहा था, ÷हमारे एयरपोर्ट्स की हालत अब बस अड्डों से भी बदतर हो गई है। लंबी कतारें, भीड़भाड़ और अव्यवस्थित प्रबंधन के कारण यात्रियों को अपनी यात्रा की शुरुआत में ही निराशा होती है।

संक्षिप्त समाचार

श्मशान में हिंदू पुजारी की हत्या पर बांग्लादेश ने दी सफाई

ढाका (एजेंसी)। बांग्लादेश के श्मशान घाट में हिंदू पुजारी की हत्या को लेकर अंतरिम सरकार की ओर से सफाई पेश की गई है। मोहम्मद यूनुस सरकार का कहना है कि पुजारी की मौत सांप्रदायिक हिंसा में नहीं हुई है।बांग्लादेश सरकार की मीडिया शाखा ने रविवार को कहा कि देश में

हाल ही में मारा गया व्यक्ति हिंदू पुजारी नहीं था और उसकी मौत सांप्रदायिक हिंसा से नहीं बल्कि श्मशान घाट में चोरी से जुड़ी थी।बांग्लादेश में हिंदू समुदाय के एक व्यक्ति की कथित हत्या के संबंध में इस्कॉन कोलकाता द्वारा किए गए दावों को खारिज करते हुए, चीफ एडवाइजर्स प्रेस विंग फैक्ट्स के आधिकारिक फेसबुक पेज ने इस्कॉन बांग्लादेश के अधिकारियों और नाटोर पुलिस से मिली जानकारी का हवाला देते हुए कहा कि यह हत्या संभवतः डकैती के प्रयास के कारण हुई। यह स्पष्टीकरण इस्कॉन कोलकाता के प्रवक्ता राधारमण दास द्वारा सोशल मीडिया मंच एक्सपर एक वीडियो साझा करने के एक दिन बाद आया। इसमें दावा किया गया था कि बांग्लादेश के नाटोर में एक श्मशान घाट पर स्थित मंदिर में ÷तरुण कुमार दास नामक एक हिंदू पुजारी की चरमपंथियों द्वारा हत्या कर दी गई। कथित तौर पर पीड़ित के हाथ-पैर बंधे हुए शव को एक वीडियो में दिखाया गया था। दास ने आरोप लगाया कि पुजारी को मारने से पहले उसे प्रताड़ित किया गया और मंदिर में लूटपाट की गई।

गाजा में इजरायल के भीषण हवाई हमले में 16 लोगों की मौत, सर्दी भी ढा रही कहर

दीर अल-बला (एजेंसी)। गाजा पट्टी में इजरायल के भीषण हवाई हमलों में कम से कम 16 लोग मारे गए हैं। फिलिस्तीनी चिकित्सा अधिकारियों ने यह जानकारी दी। हमास सरकार से संबद्ध 'सिविल डिफेंस' के अनुसार, गाजा शहर में विस्थापितों को आश्रय देने वाले एक स्कूल पर हुए हमले में कम से कम 6 लोगों की मौत हो गई, जिनमें 4 बच्चे भी शामिल हैं। इजरायली सेना ने कहा कि उसने वहां शरण लिए हमास आतंकवादियों को निशाना बनाया। '

अल-अक्सा शहीद' अस्पताल के अनुसार, शनिवार देर रात दीर अल-बला में एक घर पर हुए हमले में कम से कम 8 लोग मारे गए। अस्पताल के पास स्थित नासिर अस्पताल के अनुसार, रविवार को आधी रात के बाद दक्षिणी शहर खान यूनिस में हुए हमले में 2 और लोग मारे गए। इन हमलों पर सेना की ओर से तत्काल कोई टिप्पणी नहीं आई है। इजरायली मिसाइलों के अलावा सर्दी भी फिलिस्तीनियों पर कहर ढाने लगी है। गाजा में इन दिनों भीषण सर्दी पड़ रही है।

दिल्ली और मुंबई में पसरी धुंध की चादर, बढ़ा वायु प्रदूषण

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश राजधानी दिल्ली और मुंबई में धुंध की मोटी चादर पसरी हुई है। दिल्ली को शीतलहर के हालात और वायु गुणवत्ता खराब होने के चलते ऐसी स्थिति का सामना करना पड़ रहा है। वहीं मुंबई में भी एयर क्वालिटी खराब होने के चलते धुंध की चादर पसरी हुई है।

केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) के आंकड़ों के अनुसार राजधानी दिल्ली में वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) गिरकर 393 यानी बहुत खराब श्रेणी में पहुंच गया, जो शनिवार को 370 था। शून्य से 50 के बीच एक्यूआई को अच्छा, 51 से 100 के बीच को संतोषजनक, 101 से 200 के बीच को मध्यम, 201 से 300 के बीच को खराब, 301 से 400 के बीच को बहुत खराब और 401 से 500 के बीच को गंभीर माना जाता है। आईएमडी ने कहा कि सुबह 8:30 बजे आर्द्रता का स्तर 97 प्रतिशत दर्ज किया गया। अधिकतम तापमान 24 डिग्री सेल्सियस तक पहुंचने का अनुमान है। इस सप्ताह दिल्ली में वायु गुणवत्ता में फिर से गिरावट देखी जा रही है जिसके चलते अधिकारियों को ग्रेडेड रिस्पांस एक्शन प्लान के चौथे और अंतिम चरण को फिर से लागू करना पड़ा। इसके तहत, सभी स्कूलों को ऑनलाइन कर दिया गया है और दिल्ली में पंजीकृत या उससे पुराने डीजल के मध्यम और भारी माल वाहनों पर प्रतिबंध लगा दिया गया है। राष्ट्रीय राजधानी में सभी निर्माण गतिविधियां भी रोक दी गई हैं।

धर्म को लेकर मोहन भागवन का बड़ा बयान

दुनिया में धर्म की गलत समझ के कारण हुये अत्याचार

महाराष्ट्र (एजेंसी)। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रमुख मोहन भागवत रविवार को अमरावती के महानुभव आश्रम के शताब्दी समारोह में शामिल होने पहुंचे थे। यहां उन्होंने अपने संबोधन में धर्म के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि दुनिया में धर्म की गलत समझ और अधूरे ज्ञान के कारण अत्याचार हुए हैं। मोहन भागवत ने कहा कि धर्म काफी महत्वपूर्ण है और इसे उचित तरीके से पढ़ाया जाना चाहिए। धर्म को समझना बेहद कठिन है, मनुष्य आसानी से नहीं समझता है। अगर कोई व्यक्ति ज्ञानी है तो उसे धर्म की सही समझ होती है, लेकिन अगर कोई अज्ञानी है तो उसे ज्ञानी द्वारा समझाया जा सकता है। इस दौरान मोहन भागवत ने अपने संबोधन में कहा, हालांकि, अधिकतर लोग ऐसे होते हैं जिन्हें धर्म का थोड़ा बहुत ज्ञान होता है और वे इस बात का अहंकार करते हैं कि उन्हें सबकुछ पता है। ऐसे लोगों को ब्रह्मा भी नहीं समझा सकते। उन्होंने आगे कहा, अधूरे ज्ञान के कारण ही दुनिया में अधर्म

फैलता है। धर्म को सही तरीके से समझाना और उसकी व्याख्या करना समाज के लिए अत्यंत आवश्यक है।

धर्म का अधूरा ज्ञान: आरएसएस प्रमुख ने कहा, धर्म का अनुचित और अधूरा ज्ञान अधर्म की ओर ले जाता है, जिससे समाज में गलत परिपाटी और अत्याचार उत्पन्न होते हैं। भागवत ने यह भी बताया कि धर्म को सही तरीके से समझने और उसे सिखाने का कार्य समप्रदाय करते हैं, जो समाज के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि धर्म के नाम पर दुनिया में होने वाले सभी उत्पीड़न और अत्याचार वास्तव में धर्म को लेकर गलत समझ के कारण ही हुए हैं। मोहन भागवत ने समाज से अपील की कि धर्म को समझने की कोशिश करें और इसके सही ज्ञान को प्राप्त करें। उन्होंने कहा कि धर्म के अधूरे ज्ञान की वजह से ही दुनिया में इतनी समस्याएं उत्पन्न हुई हैं।

महिला सम्मान निधि और संजीवनी योजना का रजिस्ट्रेशन

नई दिल्ली (एजेंसी)। आम आदमी पार्टी के संयोजक अरविंद केजरीवाल ने आज एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में बताया कि महिला सम्मान निधि के लिए कल से रजिस्ट्रेशन शुरू हो जाएगा। इस स्कीम के तहत दिल्ली में माताओं और बहनों को 2100 रुपये मिलेंगे। उन्होंने यह भी कहा कि संजीवनी योजना का भी रजिस्ट्रेशन कल से

शुरू होगा।केजरीवाल ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा कि दिल्ली के लोगों के लिए हम दो खुशखबरी ले कर आये थे। महिला सम्मान योजना के तहत माता बहनों के लिए हमने ये ऐलान किया था कि उन्हें 2100 रुपये प्रतिमाह दिए जाएंगे। जब से हमने इस योजना का ऐलान किया है तब से लोग पूछ रहे हैं कि कब से रजिस्ट्रेशन शुरू होगा। तो हम आज यह बताना चाहते हैं कि कल से दिल्ली मे महिला सम्मान निधि का रजिस्ट्रेशन शुरू होगा।

एक राष्ट्र एक चुनाव पर कांग्रेस नेता दिग्विजय ने साधा निशाना

राहुल गांधी पर लगाए गए आरोपों को किया खारिज

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस नेता एवं राज्यसभा सदस्य दिग्विजय सिंह ने कहा कि उन्हें संसद में 'एक राष्ट्र, एक चुनाव' विधेयक पारित हो पाने को लेकर संशय है। कांग्रेस नेता दिग्विजय सिंह ने संसद परिसर में गुरुवार को भाजपा सांसदों के साथ 'धक्का-मुक्की' किए जाने के संबंध में लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी पर लगाए गए आरोपों को भी खारिज किया।

'एक राष्ट्र, एक चुनाव' संबंधी दो विधेयक एक साथ चुनाव कराने की व्यवस्था प्रदान करते हैं। इन्हें मंगलवार को लोकसभा में तीखी बहस के बाद पेश किया गया। इनमें से एक विधेयक के लिए संविधान में संशोधन की आवश्यकता है। लोकसभा ने शुक्रवार को एक साथ चुनाव संबंधी दो विधेयकों को संसद की संयुक्त समिति को भेज दिया।

दिग्वजिय सिंह ने 'एक राष्ट्र, एक चुनाव विधेयक पर कहा, 'जेपीसी गठित की गई है और मुझे नहीं लगता कि यह पारित हो पाएगा।' दिल्ली पुलिस ने संसद परिसर में हुई 'धक्का-मुक्की' के सिलसिले में कांग्रेस नेता राहुल गांधी के खिलाफ गुरुवार को प्राथमिकी दर्ज की थी। शिकायत में उन पर धक्का-मुक्की के दौरान

'हमला करने और उकसाने' का आरोप लगाया गया है। इस 'धक्का-मुक्की' में भाजपा के दो सांसद प्रताप चंद्र सारंगी और मुकेश राजपूत घायल हो गए थे।

कांग्रेस ने इस दावे को सिरे से खारिज करते हुए आरोप लगाया कि भाजपा सांसदों ने कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे को धक्का दिया और गांधी के साथ धक्का-मुक्की की। भाजपा सांसदों के साथ धक्का-मुक्की करने को लेकर गांधी पर लगाए गए आरोपों के बारे में पूछे जाने पर दिग्वजिय सिंह ने कहा कि ये आरोप पूरी तरह से झूठे हैं।

मिनी मैराथन के बीच अचानक हुई फायरिंग

एक शख्स हुआ घायल; जान बचाकर भागे लोग

राउरकेला (एजेंसी)। ओडिशा के राउरकेला में रविवार सुबह एक चौंकाने वाली घटना देखने को मिली। यहां एक मिनी मैराथन कार्यक्रम के दौरान अचानक फायरिंग का मामला सामने आया है। फायरिंग की घटना के बाद एक युवक को गोली भी लग गई, जिससे वह घायल हो गया। युवक की पहचान भारतीय रेलवे के कर्मचारी सलील कुमार साहू के रूप में हुई है। गोली लगने के बाद उन्हें तुरंत इस्पात जनरल हॉस्पिटल ले जाया गया, जहां उनकी हालत गंभीर बताई गई। हालांकि बाद में स्थिति में सुधार होने की जानकारी मिली। यह घटना सेक्टर-2 के बीजू पटनायक चौक पर हुई, जहां मैराथन का आयोजन किया गया था। कार्यक्रम के दौरान अचानक गोली चलने से अफरा-तफरी मच गई। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, गोली चलते ही युवक को तुरंत बचाकर अस्पताल पहुंचाया गया। मौके पर मौजूद प्रत्यक्षदर्शी ने बताया कि ÷हम हर सुबह की तरह आज सुबह भी लगभग 6 बजे सेक्टर 2 के मैदान में वॉकिंग कर रहे थे। हर हफ्ते की तरह आज

भी शहर में मिनी मैराथन का आयोजन किया गया था। इसी बीच अचानक गोली की आवाज सुनाई दी। हम सब डर कर वहां से भागे, तभी हम में से एक व्यक्ति को गोली लगने की जानकारी मिली। हम तुरंत उसे अस्पताल लेकर आए। अस्पताल लाने के बाद पता चला कि उसका नाम सलिल कुमार साहू है और वो रेलवे कर्मचारी है। डॉक्टर ने उन्हें एक्स-रे के लिए भेज दिया। रिपोर्ट आने के बाद डॉक्टर ने कहा कि चोट ज्यादा गंभीर नहीं है और सलिल जल्द ही ठीक हो जाएंगे।÷

वहीं घटना की जानकारी मिलने के बाद पुलिस भी मौके पर पहुंची और जांच शुरू कर दी। सिटी डीएसपी ने भी घटनास्थल का दौरा किया। पुलिस का कहना है कि ÷हमें सूचना मिली कि सेक्टर 2 में किसी को गोली लगी है।

मंदिर के बाद 150 साल पुरानी बावड़ी की खोज

खुदाई के दौरान मिली दो क्षतिग्रस्त मूर्तियां

संभल (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश के संभल जिले के चंदौसी क्षेत्र के लक्ष्मण गंज इलाके में एक ऐतिहासिक बावड़ी की खोज हुई है, जो लगभग 150 साल पुरानी है और 400 वर्ग मीटर क्षेत्र में फैली हुई है। यह बावड़ी हाल ही में खुदाई के दौरान प्राप्त हुई, जो 13 दिसंबर को बंद हुए भस्म शंकर मंदिर के पुनः खुलने के बाद की जा रही खुदाई में मिली। इस ऐतिहासिक संरचना का पता अतिक्रमण रोधी अभियान के दौरान चला।

चंदौसी नगर पालिका के अधिशासी अधिकारी कृष्ण कुमार सोनकर ने बताया कि शनिवार को इस स्थल पर खुदाई शुरू हुई। अधिकारियों ने कहा कि बावड़ी के अंदर दो क्षतिग्रस्त मूर्तियां मिली हैं, जिन्हें धार्मिक और ऐतिहासिक दृष्टि से महत्वपूर्ण माना जा रहा है। साथ ही बावड़ी में संरचना की कई विशेषताएं पाई गई, जो इसके ऐतिहासिक महत्व को दर्शाती हैं।

स्थानीय सूत्रों के अनुसार, इस बावड़ी का निर्माण बिलारी के राजा के नाना के शासनकाल में किया गया था। माना जा रहा है कि यह संरचना उस समय की वास्तुकला का एक उत्कृष्ट उदाहरण हो सकती है। संभल के जिला मजिस्ट्रेट (डीएम) राजेंद्र पेंसिया ने कहा कि बावड़ी की संरचना में चार कमरे और एक बड़ा जलाशय है। इसके ऊपरी मंजिल में ईंटों का इस्तेमाल किया गया है, जबकि दूसरी और तीसरी मंजिल संगमरमर से बनी है, जो उस समय की वास्तुशिल्प शैली को दर्शाता है। डीएम ने कहा, ÷यह स्थल पहले तालाब के रूप में पंजीकृत था, और बावड़ी के भीतर की संरचनाएं बहुत प्राचीन हैं।÷ उन्होंने यह भी बताया कि खुदाई के दौरान कुछ मूर्तियां प्राप्त हुई हैं, जो मंदिर से संबंधित हो सकती हैं। इन मूर्तियों को अब अलग-अलग मंदिरों में सुरक्षित रखने की योजना बनाई गई है। डीएम राजेंद्र पेंसिया ने यह भी बताया कि भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण से इस स्थल का सर्वेक्षण कराने की संभावना पर विचार किया जा रहा है।

अवैध बांग्लादेशियों को पकड़ने का अभियान, 175 संदिग्ध पहचाने गए

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश की राजधानी दिल्ली में अवैध रूप से रहने वाले बांग्लादेशियों को पकड़ने के लिए पुलिस ने अभियान शुरू कर दिया है। अवैध

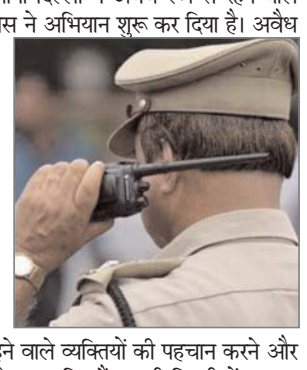

बांग्लादेशी प्रवासियों खिलाफ अपने सत्यापन अभियान दिल्ली पुलिस ने ऐसे 175 संदिग्ध लोगों की पहचान की है। अधिकारियों ने रविवार को इस बात की जानकारी दी है। पुलिस ने शनिवार को शाम 6 बजे से बाहरी दिल्ली क्षेत्र में 12 घंटे का सत्यापन अभियान चलाया था।

इस अभियान को लेकर दिल्ली पुलिस के एक अधिकारी ने कहा- ÷पुलिस ने वैध दस्तावेजों के बिना रहने वाले व्यक्तियों की पहचान करने और उन्हें हिरासत में लेने के अपने प्रयास तेज कर दिए हैं। बाहरी दिल्ली में व्यापक सत्यापन अभियान के दौरान 175 व्यक्तियों की पहचान संदिग्ध अवैध बांग्लादेशी प्रवासियों के रूप में की गई है। दिल्ली पुलिस ने बीते 11 दिसंबर की तारीख से राजधानी में रह रहे अवैध बांग्लादेशी प्रवासियों को पहचानने के लिए अभियान की शुरुआत की थी। इससे एक दिन पहले 10 दिसंबर को एलजी वीके सक्सेना के सचिवालय ने अवैध प्रवासियों पर कार्रवाई का आदेश जारी किया था। इसके बाद से ही पुलिस ने अवैध बांग्लादेशी प्रवासियों को पकड़ने का अभियान शुरू किया है।

मंत्री सारंग ने किया अल्पना टॉकीज तिराहे पर सड़क व नाली निर्माण कार्य का निरीक्षण

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। सहकारिता मंत्री श्री विश्वास कैलाश सारंग ने अल्पना तिराहे से भारत टॉकीज तिराहे पर निर्माणाधीन सड़क एवं नाले के निर्माण कार्य का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान मंत्री श्री सारंग ने निर्माण कार्य में अनियमितताओं और लापरवाही पर नाराजगी व्यक्त की। मंत्री श्री सारंग ने लोक निर्माण विभाग, नगर निगम, मेट्रो और यातायात सहित सम्बंधित सभी विभागों को समेकित प्लान तैयार करने के निर्देश दिये।

मंत्री श्री सारंग ने निरीक्षण के दौरान कहा कि निर्माण कार्य बिना उचित सर्वेक्षण और योजना के शुरू किया गया है। नगर निगम द्वारा बनाई गई नाली नीचे है, जबकि पीडब्लूडी द्वारा बनाई गई नाली ऊंची है। नालियों का निर्माण भी सही तरह से नहीं किया गया है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिये कि प्लानिंग और सर्वेक्षण के अनुसार अधिकारी कार्य करें। मंत्री श्री सारंग ने विधिवत प्लान तैयार कर निर्माण कार्य करने के निर्देश दिये । उन्होंने निर्माण कार्य की गुणवत्ता में सुधार करने के साथ ही अतिक्रमण हटाने के लिये कहा। उन्होंने कहा कि अनियमितता करने वाले अधिकारियों के विरूद्ध कार्रवाई की जायेगी।

मंत्री श्री सारंग ने कहा कि बगैर योजनाबद्ध चैनेलाइजेशन के पातरा नाले में पानी डिस्चार्ज करने से यह शहर में बाढ़ का कारण बन सकता है। इसके लिये सभी संबंधित विभागों द्वारा समन्वय के साथ योजना बनाई जाए। निर्माण कार्य तत्काल रोक कर सर्वे और प्लानिंग करने के बाद ही काम शुरू किया जाये।

उप मुख्यमंत्री एवं वित्त मंत्री देवड़ा भी हुए शामिल

भोपाल। केंद्रीय वित्त और कॉर्पोरेट कार्य मंत्री श्रीमती निर्मला सीतारमण की अध्यक्षता में शनिवार को राजस्थान के जैसलमेर में जीएसटी काउंसिल की 55वीं बैठक हुई। मध्यप्रदेश के उप मुख्यमंत्री एवं वित्त मंत्री श्री जगदीश देवड़ा सहित अन्य राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के वित्त मंत्रियों ने बैठक में भाग लिया। उप मुख्यमंत्री श्री देवड़ा ने बैठक में लाईफ इंश्योरेंस की दरों में परिवर्तन के लिये ग्रुप ऑफ मिनिस्टर्स (जीओएम) के गठन का सुझाव दिया, जिसे जीएसटी काउंसिल ने मान लिया है। अब इस पर निर्णय जीओएम द्वारा किया जायेगा। उप मुख्यमंत्री श्री देवड़ा ने एटीएफ को जीएसटी में न लाने के संबंध में भी सुझाव दिये। जीएसटी काउंसिल ने आश्वस्त किया कि सुझाव पर गंभीरता से विचार किया जायेगा।

अवैध ट्रांसफार्मर स्थापित कर कनेक्शन लेने वालों के खिलाफ एफआईआर दर्ज

भोपाल। मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी के कार्य क्षेत्र अंतर्गत रायसेन वृत्त के वितरण केंद्र बरेली ग्रामीण में 2 अवैध ट्रांसफार्मर रखकर कनेक्शन लेने वालों के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराई गई है। कार्य में लापरवाही के चलते 2 आउटसोर्स कर्मचारी को सेवा से बर्खास्त कर दिया गया है। रायसेन जिले के बरेली वितरण केंद्र के प्रबंधक ने बताया कि अवैध ट्रांसफार्मर स्थापित होने की जानकारी मिलने पर मौके पर जांच की गई। सतर्कता एवं वितरण केंद्र की संयुक्त टीम द्वारा कार्रवाई करते हुए अवैध रूप से स्थापित 25 केवीए के 2 ट्रांसफार्मर्स को जब्त किया गया। साथ ही पुलिस थाना बरेली में प्राथमिक सूचना रिपोर्ट दर्ज की गई। टीम ने अवैध कनेक्शन को पंचनामा बनाकर डिसकनेक्ट कर दिया। कार्य में लापरवाही के चलते वितरण केंद्र के 2 आउटसोर्स कर्मचारी सोवरन राजपूत एवं तीरथ राजपूत को सेवा से मुक्त कर दिया गया है।

छिंदवाड़ा जल महोत्सव का रोमांचक आगाज

भोपाल। छिंदवाड़ा जिले के माचागोरा जल क्षेत्र में 20 दिसम्बर से छिंदवाड़ा जल महोत्सव का भव्य शुभारंभ हुआ, जो 25 दिसंबर तक चलेगा। इस आयोजन से स्थानीय लोगों के साथ पर्यटकों को भी रोमांच और मनोरंजन का अद्भुत अनुभव प्राप्त हो रहा है। जल महोत्सव में मोटर बोटिंग, पैरासेलिंग, जेट्स्की, वॉटर ज़ॉर्बिंग, जिपलाइन, वॉल क्लाइम्बिंग और अन्य रोमांचक जल गतिविधियां सभी के बीच खासा आकर्षण बनीं। शुभारंभ अवसर पर जनप्रतिनिधियों ने भी इन गतिविधियों में हिस्सा लिया, जिससे महोत्सव का माहौल और भी जीवंत हो गया। ज्वार, बाजरा, मक्के की रोटी...चने की भाजी, महुए की रबड़ी, बरबटी के बड़े, कोदो और समा की खीर, टमाटर की चटनी...यह सब पारंपरिक व्यंजन जल महोत्सव में पर्यटकों को परोसे जा रहे हैं। गांवों में बने अचार, पापड़, बड़ी सहित अन्य घरेलू सामग्री भी जल महोत्सव में आने वाले पर्यटकों को खरीद के लिए उपलब्ध हैं। यहां पर्यटकों की सुविधाओं का विशेष ध्यान रखा जा रहा है। यहां नाइट स्टे टेंट में गद्दे, तकिया और कंबल के अलावा पर्यटकों की पसंद का सादा व ग्रामीण परिवेश का भोजन परोसा जा रहा है। पर्यटक यहां पातालकोट की रसोई का स्वाद भी ले रहे हैं। श्रीअन्न (मिलेट्स) पर आधारित जनजातीय पारम्परिक भोजन के स्टॉल भी यहां लगाए गये हैं, जिसमें पर्यटक देशी भोजन का स्वाद ले रहे हैं। अमरवाड़ा विधायक श्री कमलेश शाह ने जल महोत्सव का शुभारंभ कर इसे एक अद्भुत नवाचार बताया। उन्होंने कहा कि ऐसे आयोजन क्षेत्र के सामाजिक और आर्थिक विकास का मार्ग प्रशस्त करते हैं। कलेक्टर श्री शीलेंद्र सिंह ने इसे केवल एक आयोजन नहीं, वरन् स्थानीय रोजगार और आर्थिक समृद्धि का जरिया बताया। म.प्र. टूरिज्म डेवलपमेन्ट बोर्ड भोपाल के संयुक्त संचालक श्री एस.के. श्रीवास्तव ने इसे प्रदेश का %दूसरा बड़ा जल महोत्सव% बताते हुए पर्यटन विकास के संदर्भ में इसके महत्व को विस्तार से रेखांकित किया। यह महोत्सव छिंदवाड़ा को राज्य और राष्ट्रीय स्तर पर पर्यटन मानचित्र पर उभारने का सशक्त माध्यम बन रहा है। माचागोरा जल क्षेत्र में हर दिन शाम 7 से 8 बजे तक सांस्कृतिक कार्यक्रम और लोक नृत्य आयोजित किए जा रहे हैं। यहाँ स्थानीय जनजातीय व्यंजनों के स्टॉल और बच्चों के लिए मनोरंजक खेल गतिविधियां जल महोत्सव को और भी खास बना रही हैं।

माचागोरा जल महोत्सव मनोरंजन, रोमांच और सांस्कृतिक

संभावना गतिविधि में 22 दिसम्बर को होगी नृत्य एवं गायन की प्रस्तुति

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। जनजातीय संग्रहालय में नृत्य,गायन एवं वादन पर केंद्रित गतिविधि संभावना का नियमित रूप से आयोजन किया जा रहा है। इसके अंतर्गत 22 दिसंबर को श्री प्रहलाद कुर्मी एवं साथी (सागर) द्वारा राई नृत्य, सुश्री केवल कुमार एवं साथी, (अनूपपुर) द्वारा गोण्ड जनजातीय गुदुमबाजा नृत्य एवं श्री नागेंद्रनाथ पाण्डेय एवं साथी (आरा, बिहार) द्वारा भोजपुरी गायन की प्रस्तुति दी जायेगी। उल्लेखनीय है कि जनजातीय संग्रहालय में हर रविवार को दोपहर 2 बजे से

आयोजित होने वाली इस गतिविधि में मध्यप्रदेश के पांच लोकांचलों एवं सात प्रमुख जनजातियों की बहुविध कला परम्पराओं की प्रस्तुति दी जाती है। साथ ही देश के अन्य राज्यों के बहुविध कलारूपों के प्रदर्शन को देखने और समझने का अवसर भी दर्शकों को प्राप्त होता है।

मध्यप्रदेश वन क्षेत्र में देश में शीर्ष पर

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। 'भारत वन स्थिति रिपोर्ट- 2023' के अनुसार, मध्यप्रदेश ने एक बार फिर देश में सर्वाधिक वन और वृक्ष आवरण वाले राज्य का स्थान बरकरार रखा है। राज्य का कुल वन और वृक्ष आवरण 85,724 वर्ग किलोमीटर है, जो देश में सबसे अधिक है। इसके साथ ही वनावरण क्षेत्र 77,073 वर्ग किलोमीटर के साथ मध्यप्रदेश अग्रणी है।

केंद्रीय पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्री श्री भूपेंद्र यादव ने वन अनुसंधान संस्थान, देहरादून में 'भारत वन स्थिति रिपोर्ट-2023' (ढ्ढस्स्नक्र 2023) का विमोचन किया। यह रिपोर्ट भारतीय वन सर्वेक्षण (स्नस्ढ्ढ) द्वारा जारी की जाती है, जो उपग्रह आंकड़ों और फील्ड इन्वेंट्री के माध्यम से देश के वन और वृक्ष संसाधनों का व्यापक आंकलन करती है। रिपोर्ट के अनुसार, भारत का कुल वन और वृक्ष आवरण 8,27,357 वर्ग किलोमीटर है, जो देश के 25.17त्न भौगोलिक क्षेत्र को कवर करता है। इसमें वनावरण का क्षेत्रफल 7,15,343 वर्ग किलोमीटर (21.76त्न) और वृक्ष आवरण का क्षेत्रफल 1,12,014 वर्ग किलोमीटर (3.41त्न) है। वर्ष- 2021 की तुलना में वन और वृक्ष आवरण में 1,445 वर्ग किलोमीटर की वृद्धि दर्ज की गई है, जिसमें वनावरण में 156 वर्ग किलोमीटर और वृक्ष आवरण में 1,289 वर्ग किलोमीटर की वृद्धि शामिल है।

क्षेत्रफल के आधार पर सर्वाधिक वन और वृक्ष आवरण वाले राज्यों में मध्यप्रदेश (85,724 वर्ग किलोमीटर), अरुणाचल प्रदेश (67,083 वर्ग किलोमीटर) और महाराष्ट्र (65,383 वर्ग किलोमीटर) शामिल हैं। वनावरण के संदर्भ में भी मध्यप्रदेश (77,073 वर्ग किलोमीटर), अरुणाचल प्रदेश (65,882 वर्ग किलोमीटर) और छत्तीसगढ़ (55,812 वर्ग किलोमीटर) शीर्ष पर हैं। रिपोर्ट के अनुसार भारत का कुल कच्छ वनस्पति आवरण 4,992 वर्ग किलोमीटर है। वहीं, बांस धारित क्षेत्र 1,54,670 वर्ग किलोमीटर तक विस्तारित हुआ है, जिसमें पिछले आंकलन की तुलना में 5,227 वर्ग किलोमीटर की वृद्धि दर्ज की गई है। बाहय वन वृक्षों से औद्योगिक काष्ठ का वार्षिक संभावित उत्पादन 91.51 मिलियन घन मीटर आंका गया है। कार्बन स्टॉक के संदर्भ में, भारत के वनों में कुल 7,285.5 मिलियन टन कार्बन स्टॉक का आकलन किया गया है।

उप मुख्यमंत्री शुक्ल ने 3.5 करोड़ रुपए लागत से रिंग रोड तक कनेक्टिंग रोड का किया भूमिपूजन

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। उप मुख्यमंत्री श्री राजेन्द्र शुक्ल ने रीवा एयरपोर्ट से रिंग रोड तक 650 मीटर लम्बाई की कनेक्टिंग रोड का भूमिपूजन किया। यह सड़क 3.5 करोड़ रुपए की लागत से फोरलेन बनाई जाएगी। इसमें लैण्डस्केपिंग भी की जाएगी। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने पूरी गुणवत्ता के साथ नियत समय पर सड़क का निर्माण पूर्ण करने के निर्देश दिये। अध्यक्ष नगर निगम श्री व्यंकटेश पाण्डेय, पूर्व विधायक श्री केपी त्रिपाठी, एयरपोर्ट अथॉरिटी रीवा के श्री असीम मण्डल सहित स्थानीय जनप्रतिनिधि और विभागीय अधिकारी उपस्थित रहे।

बसामन मामा गौवंश वन्य विहार के निर्माण कार्यों व नगर निगम के सीवरेज कार्य की समीक्षा की उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने रीवा एयरपोर्ट के लाउंज में बसामन मामा गौवंश वन्य विहार के शेष निर्माण कार्यों की समीक्षा की। उन्होंने निर्देश दिए कि प्रशासनिक भवन गेस्टहाउस के सामने के कार्य तथा किचन शेड निर्माण का कार्य शीघ्र पूरा कराएं। उन्होंने गौवंश वन्य विहार परिसर में मंदिर निर्माण का कार्य प्रारंभ कराकर शीघ्र पूर्ण किए जाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि सभी शेष कार्य आगामी 15 दिनों में अनिवार्यत पूरे करा लिए जाएं। उप मुख्यमंत्री ने रीवा नगर निगम क्षेत्र में बाबा घाट में निर्माणाधीन सीवरेज ट्रीटमेंट प्लांट की अद्यतन स्थिति की जानकारी ली तथा इसे तत्काल प्रारंभ करने के निर्देश दिए।

उन्होंने बिछिया, विवेकानंद स्थल तथा कोतवाली घाट में एसटीपी के निर्माण कार्य को तेजी से कराते हुए पूरे करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि सभी सीवरेज ट्रीटमेंट प्लांट के बन जाने से बिछिया व बीहर नदी में नालों का गंदा पानी नहीं मिलेगा और दोनों नदियाँ स्वच्छ व साफ-सुथरी रहेंगी।

युवा पीढ़ी में ऊर्जा है, सही अवसर से वे गढ़ेंगे सफलता के नए कीर्तिमान -उप मुख्यमंत्री

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। उप मुख्यमंत्री श्री राजेन्द्र शुक्ल ने कहा है कि युवाओं को विभिन्न अवसर उपलब्ध कराकर उन्हें स्वावलंबी बनाना है। युवा पीढ़ी में ऊर्जा है, सही अवसर से वे सफलता के नए कीर्तिमान गढ़ेंगे। उप मुख्यमंत्री ने टीआरएस महाविद्यालय रीवा में विवेकानंद कॅरियर मार्गदर्शन योजना के तहत विभिन्न कंपनियों में चयनित युवाओं को नियुक्ति पत्र प्रदान किए। इस अवसर पर डेक्कन मैनेजमेंट संस्थान पुणे व महाविद्यालय के बीच एमओयू भी हुआ।

उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति में छात्रों को अध्ययन के साथ रोजगार के अवसर की जानकारी देने का प्रावधान है। टीआरएस महाविद्यालय में इस कार्य की शुरूआत की जा चुकी है। उन्होंने कहा कि जिले के सभी महाविद्यालयों में विभिन्न कंपनियों को आमंत्रित कर विद्यार्थियों को कैम्पस चयन का मौका दिलाया जाए। विद्यार्थियों के मार्गदर्शन के लिये स्वरोजगार से संबंधित सेमिनार भी आयोजित किये जाएं।

उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने कहा कि कालेज चौराहे में आईटी पार्क का निर्माण प्रारंभ हो रहा है जहां देश की बड़ी-बड़ी कंपनियों के कार्यालय होंगे। हमारा प्रयास है कि रीवा में डेटा-सेंटर बनाया जाए। हर हाथ को काम मिले तथा जिले के हर खेत को पानी मिले, तभी हमारा रीवा गरीबी व बेरोजगारी से मुक्त होगा। उन्होंने युवाओं से आह्वान किया कि आगे बढ़ने के लिए धैर्य के साथ टिके रहकर कार्य करें, तभी वह तरक्की कर सकेंगे। उनकी तरक्की से ही प्रदेश व देश की तरक्की होगी। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने चयनित युवाओं को बधाई दी।

गुजरात के शेरों से गूंजेगा भोपाल का वन-विहार

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। वन विहार राष्ट्रीय उद्यान, भोपाल में 21 दिसंबर को सक्करबाग जू-जूनागढ़, गुजरात से लॉयन का जोड़ा (नर एवं मादा) लगभग 1000 किलोमीटर की यात्रा तय कर सकुशल पहुँचा है। नर लॉयन एव मादा लॉयन दोनों की उम्र लगभग 3 वर्ष है। वन विहार में दोनों लॉयन की देखभाल एवं परीक्षण के लिए क्वारेन्टाईन में रखा गया है। वर्तमान में सत्या. गंगा एवं नदी सहित वन विहार राष्ट्रीय उद्यान में 2 नर एवं 3 मादा लॉयन हो गये हैं। वन विहार राष्ट्रीय उद्यान को यह सौगात शासन एवं विभाग स्तर पर विशेष प्रयासों से प्राप्त हुई है। लॉयन जोड़े के बदले वन विहार राष्ट्रीय उद्यान, भोपाल से नर बाघ (बाँधवगढ़-2) एवं मादा बाघ (बँधनी) को दिया गया है। दोनों की उम्र लगभग

06 वर्ष है।

उल्लेखनीय है कि केन्द्रीय चिड़ियाघर प्राधिकरण, नई दिल्ली से प्राप्त अनुमति अनुसार आदान-प्रदान योजना अंतर्गत 17 दिसम्बर 2024 को 9 सदस्यीय दल वन विहार राष्ट्रीय उद्यान, भोपाल से नर बाघ एवं मादा बाघ को लेकर सक्करबाग जू-जूनागढ, गुजरात के लिए रवाना हुआ एवं 21 दिसम्बर 2024 को सक्करबाग जू-जूनागढ़, भोपाल से लॉयन जोड़े को लेकर वन विहार आया। नौ सदस्यीय दल में वन विहार के इकाई प्रभारी पर्यटन एव सहायक वन्य प्राणी चिकित्सक भी शामिल है।

इस अवसर पर वन विहार संचालक, सहायक संचालक, वरिष्ठ वन्यप्राणी स्वास्थ्य अधिकारी और अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे। लॉयन के इस जोड़े के वन विहार आगमन से वन विभाग के अधिकारियों/कर्मचारियों में प्रसन्नता का माहौल है।

अलीराजपुर के दाल-पानिये के स्वाद के लिए लोगों की लगी भीड़

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। अंतर्राष्ट्रीय वन मेले के 5वें दिन लगभग 32 हजार लोगों ने मेले का आनंद लिया। लोगों के इतनी बड़ी तादाद से मेले प्रांगण स्थित स्टॉल्स के संचालकों में उत्साह है। वन मेले मेंलगभग 35 लाख के हर्बल, वनोपज उत्पादों की ब्रिकी हुई.फूड स्टॉल्स के व्यंजनों का लोगों ने लुत्फ उठाया। जहाँ एक ओर कॉलेज के छात्र-छात्राओं के द्वारा बनाए जा रहे व्यंजन अपनी ओर लोगों को आकर्षित करते रहे। यहीं दूसरी ओर अलीराजपुर के दाल-पानिये के स्वाद के लिए लोगों की भीड़ लगी रही। मेले की ओ.पी.डी. में लगभग 300 से अधिक आगंतुको ने निशुल्क चिकित्सीय परामर्श प्राप्त किया। ओ.पी.डी. में 90 आयुर्वेदिक चिकित्सकों तथा अनुभवी वैद्य द्वारा निशुल्क परामर्श मेले में दिया गया, जो अंतिम दिन तक जारी रहेगा।

वन मेले, का एक महत्त्वपूर्ण उद्देश्य है कि लघु वनोपज के संग्रहण में सम्मिलित प्राथमिक संग्राहकों को एक मंच प्रदान करना। लघु वनोपज संग्राहक, उत्पादक एवं वनोपज समितियों की जड़ी बूटिया, हर्बल उत्पाद तथा आयुर्वेदिक के व्यवसाय से जुड़े विभिन्न निर्माता, विभिन्न मंडियों के लघु वनोपज के व्यापारी, उत्पादक, प्र-संस्करण कर्ताओं के प्रतिनिधि के साथ सीधा वार्तालाप हो और बाजार के अवसरों को खोजा जा सके। इस उद्देश्य को पूरा करने के लिये एक दिवसीय क्रेता-विक्रेता सम्मेलन प्रधान मुख्य वन संरक्षक एवं प्रबंध संचालक, लघु वनोपज संघ श्री विभाष कुमार ठाकुर के मुख्य आथित्य में संपन्न हुआ।

श्री ठाकुर ने कहा कि महिलाओं के सशक्तिकरण एवं आर्थिक विकास के लिये लघु वनापेज के क्रय विकय में उनकी भागीदारी बड़ी है। आयुर्वेदिक कॉलेज एवं हॉस्पीटल के प्रतिनिधियों को भी आमंत्रित किया गया। इससे लघु वनोपज प्र-संस्करण एवं अनुसंधान केन्द्र में तैयार किए जा रहे आयुर्वेदिक दवाइयों के क्रय-विक्रय के लिये अनुबंध किए जा सके। उन्होंने कहा कि आयुर्वेद उत्पादों की सफलता लघु वन उपज की गुणवत्ता पर निर्भर करती हैं। श्री ठाकुर ने कहा कि वन उपज समिति को गुणवत्ता सुधार पर विशेष ध्यान देने की जरूरत है। सम्मेलन में लगभग 4.80 करोड़ रुपए का एवं विभिन्न संस्थाओं के मध्य व्यापारिक अनुबंध करने पर सहमति हुई। कुछ स्टॉलों पर टोने-टोटके हेतु अंगूठियां बेचने की शिकायत प्राप्त हो रही थी जिन्हें छापा मारकर जप्ती की कार्रवाई की गई।

मेला प्रांगण में आज सुबह 11:00 बजे से दोपहर 4:00 बजे तक नृत्य (सोलो और ग्रुप) की रंगारंग प्रस्तुति चलती रही। इस प्रस्तुति में बच्चों ने अपनी मनमोहक प्रस्तुति देकर दर्शकों के मन को मोहित कर लिया।

जमीनी विवाद को लेकर परिवार में विवाद

जान से मारने की धमकी मिलने के बाद से व्यक्ति लापता, आरोप- पुलिस नहीं कर रही कार्रवाई

मीडिया ऑडीटर, छतरपुर निप्र। छतरपुर में रविवार को एक महिला ने अपनी बहू के साथ थाने पहुंचकर शिकायत की। महिला ने बताया कि उसके जेठ समेत 5 लोगों ने उसके पति को जान से मारने की धमकी दी है, जिसके बाद से उसका पति शनिवार शाम से लापता है।

महिला के पति मोहन कुशवाहा के नाम पर नाम पैतृक जमीन है, लेकिन उसका जेठ दबंगई करके जमीन पर खेती नहीं करने देता है। आए दिन जमीन और घर खाली करने के लिए गाली गलौज करते हुए जान से मारने की धमकी देता है। महिला ने बताया कि बटवारा का केस न्यायालय में चल रहा है। महिला ने जेठ पर आरोप लगाते हुए कहा कि पुलिस में उसकी कई बार शिकायत की लेकिन पुलिस उसे पर कोई कार्रवाई नहीं कर रही है। जबकि उसने इस मामले में पूर्व में एसपी कार्यालय में भी शिकायती आवेदन दिया था।

गाली गलौज कर जान से मारने की धमकी दी: जानकारी के अनुसार मोहन पिता स्व जीवन कुशवाहा निवासी ग्राम गुरैया का रहने वाला है। वह पैतृक जमीन में खेती किसानी करके अपने परिवार का भरण पोषण करता है, लेकिन पिछले दिनों से उसके ही परिवार के कुछ लोग उसकी जमीन छीनना चाहते हैं। वह आए दिन गाली गलौज और जान से मारने की धमकी देते हैं। कुछ दिन पहले मोहन खेत पर काम कर रहा था तभी परिवार के सूरज, कल्लू, चतुर मुल्ले, पप्पू कुशवाहा ने उसके साथ गाली गलौज करते हुए जान से मारने की धमकी इस घटना की मोहन ने थाने में शिकायत की थी, जिस पर थाना पुलिस ने कोई कार्यवाही नहीं की। जिसके बाद उसने 10 नवंबर को एसपी कार्यालय में शिकायती आवेदन दिया था, इसके बाद भी पुलिस ने कोई कार्यवाही नहीं की।

शनिवार शाम से लापता है: शनिवार (21 दिसंबर) शाम 6 बजे मोहन खेत में काम कर रहा था, तभी चतुर लाठी-डंडे लेकर आया और गाली-गलौज करते हुए जमीन छोड़कर जान से मारने की बात करने लगा। मोहन ने भागकर अपनी जान बचाई। तब से मोहन अब तक लापता है। रविवार दोपहर तीन बजे मोहन की पत्नी भराई अपनी बहू के साथ पति की गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज कराने थाने पहुंची। पुलिस ने जांच के बाद कार्रवाई करने की बात कही है।

महिला भराई ने बताया कि हमारे पति शनिवार की शाम से लापता है अभी तक उनका कहीं पता नहीं लगा है। हमारा विवाद परिवार के लोगों से चल रहा है। इसके पहले जान से मारने की धमकी दी। उसने बताया कि आरोपी पूर्व में अफीम की खेती में 6 माह की जेल काट के वापस लौटा है।

जमीन की महंगी कीमत होने के कारण लोगों के मन में लालच: वहीं, बहु राजकली ने बताया कि हमारी जमीन यूनिवर्सिटी के पास है जमीन की महंगी कीमत होने के कारण परिवार के लोगों के मन में लालच आ गया है, इसीलिए वह हम लोगों को मारपीट कर भागना चाहते हैं। इसकी शिकायत पहले भी थाने में और एसपी के पास की गई है, लेकिन पुलिस हम लोगों का कोई सहयोग नहीं कर रही है।

सिविल लाइन थाना प्रभारी वाल्मीकि चौबे ने बताया कि इस मामले में जांच पड़ताल की जा रही है। जल्दी आरोपियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

पति की डांट से नाराज महिला ने पिया कीटनाशक

जिला अस्पताल में इलाज जारी, देवर बोला- भाभी ने गलती से खाया जहर

मीडिया ऑडीटर, छतरपुर निप्र। छतरपुर के माधोपुर गांव में शनिवार दोपहर को पति की डांट से नाराज महिला ने कीटनाशक दवा का सेवन कर दिया। परिजन उसे नौगांव अस्पताल लेकर आए, जहां से डॉक्टर ने उसे जिला अस्पताल रेफर कर दिया है। वहीं पुलिस मामले की जांच कर रही है। जानकारी के अनुसार माधोपुर निवासी ममता पति अरविंद यादव (22) अपने पति अरविंद के साथ रहती है। शनिवार दोपहर 12 बजे महिला अपने पति के लिए खाना लेकर खेत पर पहुंची थी। स्थानीय लोगों ने बताया कि, लेट खाना लाने पर अरविंद ने ममता को डांट दिया। जिससे नाराज होकर महिला ने खेत पर रखी गेहूं में डालने वाली दवा का सेवन कर लिया। कुछ समय बाद महिला की हालत बिगड़ने पर उसे उल्टियां होने लगी।

देर रात जिला अस्पताल रेफर: इसके बाद अरविंद ने परिजनों को घटना की सूचना दी और उसे प्राइवेट वाहन से इलाज के लिए नौगांव अस्पताल लाए। जहां से डॉक्टर ने उसकी गंभीर हालत को देखते हुए देर रात जिला अस्पताल रेफर कर दिया। रविवार को ममता का इलाज जिला अस्पताल में जारी है। उसकी हालत अब पहले से ठीक है। ममता ने बताया कि उसके पति अरविंद ने खाना लेट लाने को लेकर डांट दिया था, जिससे नाराज होकर उसने कीटनाशक दवा का सेवन कर लिया।

देवर बोला- भाभी ने गलती से खाया जहर: वहीं महिला के देवर हरदू ने बताया कि खेत पर काम करते समय उसकी भाभी ममता ने गलती से गेहूं में डालने वाली दवा का सेवन कर लिया। इसलिए, उसे इलाज के लिए जिला अस्पताल में भर्ती किया गया है। मामले में नौगांव थाना प्रभारी सतीश सिंह ने बताया कि तहसीलदार और पुलिस ने महिला क बयान लिए है, जिसमें उसने गलती से जहर खाना बताया है।

मजदूर संघ की बैठक संपन्न

नगर पंचायत रामपुर नैकिन में संभाग प्रभारी ने किया सदस्यों को संबोधित

मीडिया ऑडीटर, सीधी निप्र। सीधी जिले के नगर पंचायत रामपुर नैकिन अंतर्गत सभागार में रविवार को बैठक का आयोजन किया गया। जहां पर भारतीय मजदूर संघ के कई कार्यकर्ता और कई बड़े नेता मौजूद रहे। बैठक का मुख्य उद्देश्य भारतीय मजदूर संघ के राष्ट्रव्यापी श्रमिक संपर्क अभियान की समीक्षा थी जोकि 1 दिसंबर से 20 दिसंबर तक चला था। यहां सीधी जिले के सभी ब्लॉक में संपर्क अभियान चला था। सीधी जिले में उसके प्रगति और अन्य चीजों को लेकर जिलाध्यक्ष आनंद तिवारी के नेतृत्व में इस बैठक आयोजन किया गया।

बैठक में जानकारी दी गई है कि सीधी जिले में करीब 700 से ज्यादा श्रमिकों को इसमें जोड़ा गया है। यह संगठन मजदूर और श्रमिकों के लिए कार्यकर्ता है और उनकी सुरक्षा के लिए प्रतिबद्ध रहता है। इस अभियान का समापन रविवार को रामपुर नैकिन नगर परिषद सभागार में संपन्न हुआ। समापन कार्यक्रम में भारतीय मजदूर संघ के प्रदेश के उपाध्यक्ष और संभाग प्रभारी दिनेश शुक्ला, सीधी सिंगरौली के विभाग प्रमुख रमन चौकीकर, जिले के मंत्री दीप नारायण द्विवेदी , योगेंद्र तिवारी ,वरिष्ठ समाजसेवी संतोष पांडे ,आशुतोष द्विवेदी सहित विभिन्न ने कार्यकर्ता मौजूद रहे हैं।

जिला शिक्षा अधिकारी ने किया निरीक्षण

रविवार के दिन भी लगा रहे 10वीं और 12वीं की कक्षाएं

मीडिया ऑडीटर, सीधी निप्र। सीधी जिले के रामपुर नैकिन जनपद पंचायत क्षेत्र अंतर्गत ग्राम खड्डी के संकुल केंद्र में रविवार के दिन दोपहर 12 बजे से लेकर शाम 5 बजे तक अतिरिक्त कक्षाओं का संचालन किया जा रहा है। इस संचालन की शुरुआत आज से की गई है। जिसमें कक्षा 10 और कक्षा 12 के छात्र-छात्राओं के अध्ययन और उनके शिक्षा के सुधार के लिए नवाचार किया जा रहा है।

कक्षा दसवीं और बारहवीं के छात्र जोकि कमजोर हैं वह एडिशनल कक्षाओं को ले सकते हैं और अपने आप को उस विषय में मजबूत बना सकते हैं। जहां गणित, अंग्रेजी, रसायन शास्त्र, भौतिक शास्त्र और लेखाशास्त्र के विषयों का अध्यापन का कार्य किया जा रहा है। इस अतिरिक्त कक्षाओं के संचालन में लगभग 250 छात्र और छात्राएं आज रविवार के दिन शामिल हुए हैं।

खड्डी संकुल केंद्र के प्राचार्य धीरेंद्र सिंह के नेतृत्व में इस अतिरिक्त कक्षा का संचालन किया जा रहा है, जिसमें जिला शिक्षा अधिकारी डॉ प्रेमलाल मिश्रा एपीसी जिला शिक्षा अधिकारी कार्यालय से डॉक्टर सुजीत मिश्रा ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

यहां अवकाश के दिनों में भी छात्र-छात्राओं को कोचिंग की तर्ज पर पठन-पाठन का कार्य किया जा रहा है। साथी परीक्षाओं की तैयारी के लिए यहां एक रूपरेखा तैयार की गई। प्राचार्य धीरेंद्र सिंह ने बताया है कि इस दौरान छात्र-छात्राओं को नाश्ता भी दिया जाता है।

अतिरिक्त कक्ष के संचालन में मुख्य रूप से धीरेंद्र सिंह प्राचार्य के अलावा परीक्षा नियंत्रक अशोक कुमार सिंह सांस्कृतिक प्रभारी राजमणि विश्वकर्मा शिक्षक वर्ग से अनूप सिंह, सुभाष मिश्रा, राम लखन विश्वकर्मा, रणजीत सिंह, अजय नापित, प्रवीण कुमार त्रिपाठी, सुदामा प्रसाद साकेत, लाल जी साकेत, राजकुमार साकेत के साथ कई लोग मौजूद रहे हैं।

शिकार का प्रयास करते पकड़े गए सात शिकारी

इस्तेमाल में लाई गई सामग्री को वन विभाग ने किया जब्त, भेजे गए जेल

मीडिया ऑडीटर, अनूपपुर निप्र। अनूपपुर के वन परिक्षेत्र जैतहरी में शिकारियों के खिलाफ रविवार को बड़ी कार्रवाई की गई। गोबरी बीट में विद्युत लाइन से करंट बिझाने के लिए लगाई गई सामग्री के साथ शिकार के प्रयास के सात आरोपियों को वन विभाग ने पकड़ा है। आरोपियों को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश करने बाद न्यायालय के आदेश पर जेल भेजा गया है।

वन विभाग ने शिकार करने का प्रयास करने वाले सात आरोपियों गजरुप सिंह, अशोक नायक, नारायण नायक, झुल्लू सिंह, संतोष सिंह, कृपाल सिंह, कोमल सिंह सभी निवासी ग्राम गौरेला थाना जैतहरी के खिलाफ वन्यजीव संरक्षण अधिनियम 1972 के तहत प्रकरण दर्ज कर कार्रवाई की गई। आरोपियों के वनक्षेत्र में वन्य प्राणियों के शिकार के लिए लगाए गए जीआई, तार, बांस की खूंटी और शिकार के उद्देश्य से वनक्षेत्र में लगाए फंदे आदि को जब्त किया गया है।

प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफएक्सीलेंस में मनाया गया गणित दिवस

मीडिया ऑडीटर, सीधी निप्र। भारतीय ज्ञान परंपरा प्रकोष्ठ के त्रैमासिक कैलेंडर के अनुसार प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस संजय गांधी स्मृति शासकीय महाविद्यालय सीधी में 22 दिसंबर को गणित दिवस मनाया गया। इस अवसर पर महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. पी के सिंह, डॉ. विनोद कुमार प्रजापति विभागाध्यक्ष गणित, डॉ. रावेन्द्र बहादुर सिंह चौहान विभागाध्यक्ष अर्थशास्त्र, डॉ. भोला सिंह कुशराम विभागाध्यक्ष संस्कृत, डॉ. राकेश कुमार प्रजापति सहायक नोडल अधिकारी भारतीय ज्ञान परंपरा प्रकोष्ठ, डॉ. पुष्पेन्द्र कुमार शाह सहायक प्राध्यापक अर्थशास्त्र, डॉ. यज्ञ प्रताप साहू अतिथि विद्वान गणित तथा बड़ी संख्या में महाविद्यालय के छात्र- छात्राएँ उपस्थित रहे।

कार्यक्रम की औपचारिक शुरुआत महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. पी के सिंह के द्वारा माँ सरस्वती की प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्वलित कर की गई। डॉ. यज्ञ प्रताप साहू ने गणित दिवस की महत्ता से विद्यार्थियों को अवगत कराया। महाविद्यालय के छात्र-छात्राओं में हिना कौशर,राहुल मिश्रा, स्वास्तिक गुप्ता, प्रेम दीपक, अर्पित सिंह चौहान, शिवानी त्रिपाठी, आदर्श नामदेव, अनुज विश्वकर्मा, आकांक्षा पाण्डेय एवं अंकित तिवारी ने गणित दिवस पर अपने वक्तव्य दिए।

डॉ. विनोद कुमार प्रजापति विभागाध्यक्ष गणित ने प्रसिद्ध गणितज्ञ श्रीनिवास रामानुजन के जीवन संघर्ष और गणित विषय में दिए गए योगदान से विद्यार्थियों को अवगत कराया। साथ ही वैदिक गणित की महत्ता की ओर विद्यार्थियों का ध्यान आकृष्ट किया। डॉ. रावेन्द्र बहादुर सिंह विभागाध्यक्ष अर्थशास्त्र ने अपने उद्बोधन में बताया कि गणित मानव जीवन का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है जो जीवन के प्रत्येक पक्ष से जुड़ा हुआ है। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. पी के सिंह ने अपने वक्तव्य में गणित विषय की उपयोगिता और अन्य विषयों से संबंध पर चर्चा की। कार्यक्रम के अंत में डॉ. यज्ञ प्रताप साहू ने सभी के प्रति आभार व्यक्त किया।

कोयले से भरा ट्रक हाइवा से टकराया

एक की मौत, 2 घायल, गैस कटर की मदद से निकलना पड़ा शव

मीडिया ऑडीटर, सिंगरौली निप्र। सिंगरौली जिले के बरगवां थाना क्षेत्र में रविवार दोपहर कोयला से भरा एक ट्रक की दूसरे ट्रक से टक्कर हो गई। जिसमें एक ट्रक चालक की मौत हो गई, जबकि दो अन्य लोग गंभीर रूप से घायल हो गए हैं। जिन्हें इलाज के लिए जिला अस्पताल में भर्ती करवाया गया है।

बरगवां थाना प्रभारी ने बताया कि यह सड़क हादसा थाना इलाके के नेशनल हाईवे में संचालित बाबा ढाबा के पास हुआ। जहां पर कोयले से भरा एक हाईवा वहां दूसरे ट्रक से जा टकराया।

हादसे में ट्रक चालक मुन्ना यादव निवासी मिर्जापुर उत्तर प्रदेश की मौके पर ही ट्रक में दबाकर मौत हो गई। जबकि दूसरे ट्रक के चालक रितेश शाह निवासी उमरिया और प्रमोद सिंह जौनपुर उत्तर प्रदेश की हालत गंभीर है।

सुशासन सप्ताह अंतर्गत जिला स्तरीय कार्यशाला सोमवार को

मीडिया ऑडीटर, सीधी निप्र। अपर कलेक्टर एवं मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला ई-गवर्नेंस सोसायटी अंशुमन राज ने जानकारी देकर बताया कि सुशासन सप्ताह अंतर्गत 23 दिसम्बर 2024 को कलेक्ट्रेट सभागार में जिला स्तरीय कार्यशाला आयोजित की गयी है, जिसमे समस्त जिला प्रमुखों की उपस्थिति अनिवार्य हैं। उन्होंने बताया कि प्रत्येक वर्ष 25 दिसंबर को सुशासन दिवस मनाया जाता है। इस वर्ष भारत सरकार द्वारा 19 से 24 दिसंबर 2024 तक सुशासन सप्ताह मनाया जाने का निर्णय लिया गया है। प्रशासनिक सुधार एवं लोक शिकायत विभाग भारत सरकार द्वारा सुशासन सप्ताह हेतु दिशा निर्देश जारी किए गए हैं। सुशासन सप्ताह के अंतर्गत प्रशासन गाव की ओर 2024 अभियान चलाया जा रहा है जिसमें जन समस्याओं का निराकरण किया जाकर अधिक से अधिक व्यक्तियों को सेवाओं का लाभ प्रदान किया जाना है।

अभियान अवधि के कार्य अभियान का क्रियान्वयन 19 से 24 दिसंबर तक किया जायेगा। जिसमें विशेष शिविरों में निवारण की गई शिकायतों की संख्या, सी.पी.जी.आर.ए.एम. एस. में निवारण की गई शिकायतों की संख्या, सी.एम. हेल्पलाइन पोर्टलों पर निवारण की गई शिकायतों की संख्या, लोक सेवा गारंटी के अंतर्गत निराकृत की गई सेवाओं की संख्या, निराकृत किए गए सेवा वितरण आवेदनों की संख्या, सुशासन की श्रेष्ठ प्रथाओं का संकलन कर उन्हें पोर्टल पर चित्र सहित साझा करना, सार्वजनिक शिकायतों के समाधान पर सफलता की कहानियाँ एवं आयोजित प्रसार कार्यशाला का विवरण दैनिक प्रगति पोर्टल पर फीडिंग की जाएगी। उन्होने बताया कि इस अभियान का उद्देश्य केंद्र और राज्य सरकार के विभागों की सक्रिय भागीदारी और समर्थन के साथ सुशासन को बढ़ावा देना है। जनता की शिकायतों के समाधान और बेहतर सेवा वितरण के लिए मुख्यमंत्री जनकल्याण अभियान हेतु आयोजित शिविरों के साथ साझा शिविर/कार्यक्रम आयोजित करेंगे। मुख्यमंत्री जनकल्याण अभियान के अंतर्गत निराकृत किए गये आवेदनों/शिकायतों/सेवाओं को भारत सरकार के पोर्टल पर दर्ज किया जाएगा।

विद्यार्थियों की हो रही है कैरियर कॉउंसिलिंग

मीडिया ऑडीटर, सीधी निप्र। जिले के हायर सेकेंडरी स्कूलों में जनकल्याण पर्व अंतर्गत करियर काउंसलिंग शिविरों का आयोजन 18 से 28 दिसंबर तक किया जा रहा है। करियर काउंसलिंग के माध्यम से विद्यार्थियों को कैरियर योजना, कौशल आधारित रोजगार के महत्व, उच्च शिक्षा के विकल्प, विदेश में पढ़ाई के लिए आवश्यक प्रक्रिया, प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी, छात्र उद्यमिता के बारे में संवाद, उच्च शिक्षा के लिए वित्तीय सहायता के विकल्प, स्थानीय रोजगार के अवसर आदि की जानकारी प्रेजेंटेशन एवं ब्रोशर के माध्यम से सत्र को संवेदनात्मक और रोचक एवं विद्यार्थियों के विचार को महत्व देते हुए उनके करियर से संबंधित प्रश्नों का मार्गदर्शन करियर काउंसलरों के माध्यम से किया जा रहा है।

प्रतिमा अनावरण हेतु नगवा आएंगे पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह

19 सदस्यों द्वारा 19 गांव पैदल किया जाएगा प्रचार प्रसार, तिवनी एवं शाहपुर से होगी शुरुआत

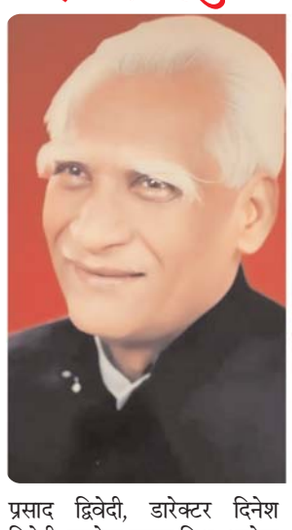

मीडिया ऑडीटर, जवा निप्र। श्रीनिवास तिवारी विद्या सदन हायर सेकंडरी स्कूल नगवां में आयोजित अमर शहीद रघुनाथ द्विवेदी कब्बड्डी प्रतियोगिता एवं श्रीनिवास तिवारी स्मृति प्रसंग के आयोजक सचिव एवं प्रतिमा स्थापना समिति के संयोजक शिवबालक पाण्डेय ने बताया कि 07 फरवरी 2025 को कबड्डी प्रतियोगिता एवं स्मृति प्रसंग का शुभारम्भ पूर्व मंत्री राजमणि पटेल के मुख्यातिथ्य वरिष्ठ कांग्रेस नेता गोविंददास तिवारी की अध्यक्षता, प्रोफेसर पी सिंह,सेवा निवृत प्राध्यापक एवं ख्याति प्राप्त कबड्डी खिलाड़ी, रिटायर्ड रेंजर राष्ट्रीय वॉलीबॉल खिलाड़ी अम्बरीष पाण्डेय तथा वरिष्ठ समाज सेवी बृजेन्द्र पाण्डेय के विशिष्ट आतिथ्य में संपन्न होगा।

प्रतियोगिता का समापन एवं यशस्वी नेता श्रीनिवास तिवारी की प्रतिमा का अनावरण: 09 फरवरी 2025 के गौरव दिवस एवं प्रतिष्ठा आयोजन में पूर्व मुख्यमंत्री एवं वर्तमान राज्य सभा सांसद दिग्विजय सिंह, के मुख्यातिथ्य पूर्व मंत्री एवं वर्तमान विधायक अमरपाटन राजेंद्र सिंह अध्यक्षता, विधायक सेमरिया अभय मिश्रा, पूर्व मंत्री सईद अहमद, एवं रीवा विधानसभा पूर्व प्रत्याशी राजेंद्र शर्मा के विशिष्ट आतिथ्य में संपन्न होगा,इस दौरान प्रदेश एवं संभाग सहित जिले के अन्य वरिष्ठ नेताओं एवं जनप्रतिनिधियों को आमंत्रित किया जाएगा, पाण्डेय ने बताया कि आयोजन की सफलता हेतु गठित 19 सदस्यों का दल में से पांच समितियां गठित की जाएगी जो विभिन्न विकास खंडो मे19 गांव पैदल चलकर आयोजन का प्रचार प्रसार करेंगे एवं आमंत्रण पत्र पहुंचाएंगे।

जिसका शुभारंभ तिवनी एवं शाहपुर से किया जाएगा: इस दौरान विद्यालय के प्राचार्य ओंकार प्रसाद द्विवेदी, डारेक्टर दिनेश द्विवेदी, बालेन्द्र प्रसाद मिश्र, धानेन्द्र पाण्डेय, बृजेन्द्र द्विवेदी कूलन, रामनरेश, हरगोपाल सिंह, नीरज पाण्डेय, पूरणमल साहू, जियामुद्दीन खान, जयदीप सिंह, हरगोपाल सिंह, शिव गणेश पाण्डेय, बृजवासी शुक्ल, विश्वनाथ द्विवेदी, रामबदन वर्मा अमरनाथ सिंह, छोटेलाल आदिवासी एवं किशोर कुमार तिवारी को 19 सदस्यीय प्रतिमा स्थापना समिति का गठन किया गया है। आयोजन की तैयारी के लिए स्कूल के विद्यार्थी शिक्षक क्षेत्रीय नौजवान एवं उनके समर्थकों में भारी उत्साह देखा जा रहा है।

CHANGE OF NAME

No. 15331873X, Rank-Hav, Name Balmik Charmkar now serving in Indian Army now residing at RHQ CAMP 17 ENGR Regt, C/O- 99APO, PIN-914017, my son's correct name is Vikram Chaudhari instead of Vikram Charmkar, vide Affidavit No. 33AA 683361 Dated 16.12.2024.

विचार

सिंगल यूज प्लास्टिक पर प्रतिबंध के बाद की दिशा

पंजाब जिसे हरित क्रांति की भूमि के रूप में जाना जाता है, अब पर्यावरण संरक्षण के क्षेत्र में एक नई चुनौती का सामना कर रहा है। 10 दिसम्बर 2024 से राज्य में सिंगल यूज प्लास्टिक (एस.यू.पी.) पर पूर्ण प्रतिबंध लागू हो चुका है। यह निर्णय केवल पर्यावरणीय संकट से निपटने का संकेत है बल्कि यह पंजाब के लिए एक महत्वपूर्ण बदलाव की दिशा में भी एक कदम है। हालांकि इस प्रतिबंध की सफलता इस बात पर निर्भर करेगी कि इसे शहरी और ग्रामीण दोनों स्तरों पर कितनी प्रभावी ढंग से लागू किया जाता है।

पंजाब का प्लास्टिक संकट - आंकड़े और प्रभाव = पंजाब हर साल लगभग 6 लाख टन प्लास्टिक कचरा उत्पन्न करता है, जिसमें से 12 प्रतिशत सिंगल यूज प्लास्टिक है। यह कचरा नदियों, नालों और खेतों में फैलकर न केवल पर्यावरण को नुकसान पहुंचाता है बल्कि राज्य की अर्थव्यवस्था और स्वास्थ्य पर भी गंभीर प्रभाव डालता है। शहरी इलाकों में खासकर लुधियाना, अमृतसर और चंडीगढ़ जैसे बड़े शहरों में प्लास्टिक कचरे के कारण बरसात के मौसम में नालों का जाम होना और जलभराव आम समस्याएं बन गई हैं। प्लास्टिक बैग और अन्य एस.यू.पी. उत्पाद जैसे डिस्पोजेबल प्लेट्स और गिलास, कचरे का एक बड़ा हिस्सा बनाते हैं।

ग्रामीण इलाकों में स्थिति और भी चिंताजनक है। पंजाब कृषि विश्वविद्यालय (पी.ए.यू.) के एक अध्ययन के अनुसार संगरूर और मानसा जैसे जिलों में करीब 15 प्रतिशत खेतों में प्लास्टिक कचरे का जमाव पाया गया है। यह कचरा मिट्टी की उर्वरता को प्रभावित करता है जिससे फसलों की पैदावार कम हो जाती है। किसानों के लिए यह समस्या तब और गंभीर हो जाती है जब वे प्लास्टिक कचरे को जलाने के लिए मजबूर हो जाते हैं जिससे वायु प्रदूषण बढ़ता है।

सिंगल यूज प्लास्टिक पर प्रतिबंध = आर्थिक और सामाजिक चुनौतियां = पंजाब का आर्थिक ढांचा छोटे और मध्यम उद्योगों (एम.एस.एम.ई.एस.) पर टिका हुआ है। राज्य में 5000 से अधिक प्लास्टिक निर्माण इकाईयां हैं जो लगभग 50,000 लोगों को रोजगार देती हैं। इन उद्योगों के लिए सिंगल यूज प्लास्टिक पर प्रतिबंध एक बड़ा झटका साबित हो सकता है। लुधियाना का हौजरी उद्योग इसका एक उदाहरण है। यहां उत्पादों को पैक और शिप करने के लिए प्लास्टिक पैकेजिंग का उपयोग किया जाता है। बायोडिग्रेबेल विकल्प अपनाने से उनके पैकेजिंग खर्च में 30-40 प्रतिशत की वृद्धि हो सकती है।

प्रियंका गांधी का बैग मुस्लिम तुष्टीकरण का प्रतीक कैसे?

वायनाड से कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी 16 दिसबर को जब संसद भवन आईं तो उन्होंने अपने कंधे पर एक बैग टांग रखा था। इस बैग पर फिलिस्तीन लिखा था। इस बैग पर कई तरह के फिलिस्तीन प्रतीक भी बने हुए थे। इस बैग को लेकर भाजपा ने प्रियंका गांधी पर निशाना साधा। भाजपा का आरोप है कि कांग्रेस मुस्लिम तुष्टीकरण की राजनीति कर रही है। लेकिन प्रियंका गांधी ने 17 दिसबर को बंगलादेश में हिन्दुओं और ईसाइयों पर हो रहे हमलों के खिलाफ भी आवाज उठाई। प्रियंका गांधी 17 दिसबर को भी संसद में एक बैग लेकर पहुंचीं। इस बैग पर लिखा था-'बंगलादेश के हिन्दुओं और ईसाइयों के साथ खड़ें हों।' 16 दिसबर को संसद में फिलिस्तीन लिखे बैग को लेकर पहुंची प्रियंका गांधी पर उार प्रदेश के मुयमंत्री योगी आदित्यनाथ ने भी हमला बोला।

भाजपा के सांसद संबित पात्रा ने कहा कि नेहरू जी के समय से प्रियंका वाड्रा तक, जब से गांधी परिवार के सदस्य राजनीति कर रहे हैं, वह अपने कंधे पर तुष्टीकरण के बैग को लटकाकर ही चल रहे हैं। प्रियंका गांधी के बैग पर भाजपा के प्रवक्ता अमित मालवीय ने तो यहां तक कह दिया कि कांग्रेस नया मुस्लिम लीग है। प्रियंका गांधी ने इस मुद्दे पर कहा कि मैं अपनी सोच पहले भी कई बार बता चुकी हूं। कौन यह तय करेगा कि मुझे अब क्या कपड़े पहनने हैं। यह पितृसत्ता है कि आप यह तय करें कि औरत क्या पहनेगी। 16 दिसम्बर को जब भाजपा ने फिलिस्तीन लिखे बैग को लेकर प्रियंका गांधी की आलोचना की तो 17 दिसम्बर को प्रियंका गांधी ने बंगलादेश के मुद्दे पर नया बैग ले जाकर यह सवाल उठाया कि भाजपा कांग्रेस पर मुस्लिम तुष्टीकरण का आरोप लगाती है लेकिन बंगलादेश में हिन्दुओं और ईसाइयों पर अत्याचार हो रहे हैं लेकिन भाजपा क्या कर रही है? दरअसल भाजपा कांग्रेस पर मुस्लिम तुष्टीकरण का आरोप लगाती है। यह आरोप तो भाजपा पर भी लगाया जा सकता है। भाजपा हमेशा हिन्दू अधिकारों के बारे में बात करती है। तो क्या वह हिन्दू तुष्टीकरण का कार्ड खेल रही है? यह भी सवाल उठाया जा सकता है कि भाजपा अल्पसंख्यकों के अधिकारों के बारे में क्यों बात नहीं करती है? मुस्लिमों के अधिकारों के बारे में बोलना क्या मुस्लिम

तुष्टीकरण है?भारत केवल हिन्दुओं का नहीं है। भारत मुसलमानों और दूसरे अल्पसंख्यक समुदाय का भी उतना ही है जितना हिन्दुओं का है। कुछ समय पहले भाजपा ने यह भ्रम फैलाया था कि पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह ने कहा था कि देश की सम्पत्ति पर पहला अधिकार मुसलमानों का है। तब भाजपा ने कहा था कि कांग्रेस मुस्लिम तुष्टीकरण की राजनीति कर रही है। दरअसल मनमोहन सिंह के इस बयान को तोड़-मरोड़ कर पेश किया जाता है। यह 18 साल पहले का बयान है। 9 दिसम्बर 2006 को मनमोहन सिंह ने एक संगोष्ठी में कहा था ,''मेरा मानना है कि हमारी सामूहिक प्राथमिकताएं स्पष्ट हैं। अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जनजातियों के लिए योजनाओं को पुनर्जीवित करने की जरूरत है। हमें नई योजनाएं लाकर यह भी सुनिश्चित करना होगा कि अल्पसंख्यकों का और खासकर मुस्लिमों का भी उत्थान हो सके और उन्हें विकास का फायदा मिल सके। इन सभी का संसाधनों पर पहला हक है।''

पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह के इस बयान को ऐसे प्रस्तुत किया गया कि जैसे उन्होंने कहा है कि देश के संसाधनों पर पहला हक मुसलमानों का है। जब मनमोहन सिंह का स्पष्ट भाव यह था कि अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति और सभी अल्पसंख्यक विशेषत: मुसलमान बहुसंख्यकों के सामने किसी न किसी रूप में पिछड़े हुए हैं। चाहे वे संख्या के आधार पर पिछड़े हुए हों या फिर संसाधनों के आधार पर। इसलिए उनके उत्थान के लिए पहले उन्हें संसाधनों को इस्तेमाल करने का अवसर दिया जाना चाहिए। जब भारत आजाद हुआ तो जिन मुसलमानों को पाकिस्तान जाना था वे पाकिस्तान चले गए। लेकिन बाकी मुसलमान भारत में ही रह गए। जो मुसलमान भारत में रह गए उन्हें भारत की मिट्टी से प्यार था। उन्होंने भारत को अपना देश माना तभी वे भारत में रहे। भारत में हिन्दू संख्या में ज्यादा हैं। इसलिए भी हिन्दुओं को मुसलमानों का ध्यान रखना चाहिए।

शायद कुछ ऐसे ही भाव को लेकर पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह ने यह कहा था कि अल्पसंख्यकों और विशेषत: मुसलमानों का पहला हक है। यह मुस्लिम तुष्टीकरण कैसे हो गया। कांग्रेस में हजार कमियां हैं लेकिन क्या कांग्रेस ने अपने राज में हिन्दुओं को मंदिरों में जाने से रोका है? क्या हिन्दुओं पर अत्याचार किए गए हैं? क्या कांग्रेस ने हिन्दुओं को अधिकारों पर प्रतिबंध लगाया है। फिर अल्पसंख्यकों के हकों के बारे में बोलना मुस्लिम तुष्टीकरण कैसे हो गया? आज भाजपा की बहुत सारी सरकारी योजनाओं का लाभ मुसलमान उठा रहे हैं तो यह आरोप तो भाजपा पर लगाया जा सकता है कि वह मुसलमानों को सुविधाएं देकर मुस्लिम तुष्टीकरण करना चाहती है। हो सकता है कि जिस तरह कुछ हिन्दू भी कट्टर होते हैं उसी तरह कुछ मुसलमान भी कट्टर हों लेकिन ज्यादातर मुसलमान अपनी रोजी-रोटी के चक्कर में संघर्ष कर रहे हैं। इसलिए उनके हितों के बारे में बोलना तुष्टीकरण नहीं हो सकता।

एक रौशनी की तरह थे उस्ताद जाकिर हुसैन

हमने 15 दिसम्बर को तबला वादक उस्ताद जाकिर हुसैन को खो दिया। 73 वर्ष की आयु में इडियोपैथिक पल्मोनरी फाइब्रोसिस की जटिलताओं के कारण उनका निधन हो गया। अपने युग के प्रमुख तबला वादक के रूप में जाने जाने वाले हुसैन के परिवार में उनकी पत्नी एंटोनिया मिनेकोला और बेटियां अनीसा कुरैशी और इसाबेला कुरैशी हैं। जाकिर हुसैन प्रसिद्ध तबला वादक उस्ताद अल्ला रक्खा के पुत्र थे। वह 4 बार ग्रैमी पुरस्कार विजेता थे, जिसमें 2024 की शुरूआत में 66वें ग्रैमी पुरस्कारों में से 3 शामिल थे और उन्हें भारत के प्रतिष्ठित पद्म पुरस्कारों से सम्मानित किया गया था, जिसमें पद्म श्री, पद्म भूषण और पद्म विभूषण शामिल थे। अपने 6 दशक के करियर के दौरान हुसैन ने कई प्रमुख अंतर्राष्ट्रीय और भारतीय कलाकारों के साथ काम किया, विशेष रूप से 1973 में अंग्रेजी गिटारवादक जॉन मैकलॉघलिन, वायलिन वादक एल. शंकर और तालवादक टी. एच. 'विक्कू' विनायकराम के साथ, जिसमें भारतीय शास्त्रीय संगीत को जैज तत्वों के साथ अनोखे ढंग से मिश्रित किया गया था। 7 साल की छोटी उम्र से ही उन्होंने रविशंकर, अली अकबर खान और शिवकुमार शर्मा जैसे भारतीय शास्त्रीय संगीत के दिग्गजों के साथ काम किया और यो-यो मा और जॉर्ज हैरिसन जैसे पश्चिमी कलाकारों के साथ संगत करके भारतीय शास्त्रीय संगीत की पहुंच को वैश्विक स्तर पर बढ़ाया। उन्होंने दुनिया भर में तबले की पहुंच और प्रभाव का विस्तार किया। हुसैन अक्सर कला को उसकी जड़ों, उसके घर तक वापस लाने की बात करते थे। कोई यह तर्क दे सकता है कि घर कहीं भी और हर जगह है। हालांकि, हुसैन के शब्दों की सच्चाई सबसे ज्यादा मायने रखती है। जड़ों से फिर से जुडना बहुत जरूरी है। यह कला की प्रामाणिकता के बारे में है। कलाकारों के लिए, यह जुड़ाव बहुत ही निजी होता है। यह किसी ऐसी जगह पर जाने जैसा है जो घर जैसा लगता है, भले ही आप वहां कभी न गए हों। यह आपको आपके इतिहास से जोड़ता है और आपकी रचनात्मक अभिव्यक्ति को समृद्ध करता है, जिससे आपका काम एक अनूठी, प्रामाणिक आवाज के साथ गूंजता है। घर से जुडने से कला जीवंत, वास्तविक और अपनी आत्मा के प्रति सच्ची बनी रहती है। जाकिर हुसैन तबले को लेकर स्क्रिप्ट को पलट सकते थे, जिससे कोई भी व्यक्ति अकेले गा सकता था। वह आकर्षक, खुले विचारों वाले और मंच पर अपने दर्शकों से जुड़े हुए थे।

उनके अंदर की दुनिया बहुत बड़ी थी, फिर भी उन्होंने हर वाइब को पकड़ा और फिर भी एक मास्टर की तरह बीट्स को छोड़ा। कथक के प्रसिद्ध जयपुर घराने के गुरु घनश्याम गंगानी उस्ताद जाकिर हुसैन के बारे में ऐसी श्रद्धा के साथ बात करते हैं जो आत्मा को छू जाती है। उनके द्वारा सांझा किए गए क्षणभंगुर क्षणों में, उनके सहयोग ने एक ऐसे व्यक्ति के बारे में बहुत कुछ बताया जो विनम्र और सरल लेकिन गहन था। घनश्याम गंगानी कहते हैं कि उस्ताद ने खुद को शालीनता और शान के साथ प्रस्तुत किया जो भारतीय शास्त्रीय कला रूपों की पवित्रता को संरक्षित करने के लिए एक गहरी प्रतिबद्धता को दर्शाता है। उनकी प्राथमिकताएं सरल रहीं। उन्हें दाल,चावल जैसे साधारण भोजन पसंद थे जो उनके सरल स्वभाव का प्रमाण था। फिर भी, उन्होंने एक कलाकार के सार को मूर्त रूप दिया। सच्चे कलाकार अपनी पहचान न केवल अपनी आस्तीन पर बल्कि अपने अस्तित्व में पहनते हैं, अपनी उपस्थिति की सादगी में सुंदरता गढ़ते हैं। कला समुदाय और बड़े पैमाने पर लोगों के साथ जाकिर हुसैन का बंधन कुछ खास था। हुसैन एक मार्गदर्शक के रूप में सफल हुए, उन्होंने इस भूमिका को स्वाभाविक आनंद और सादगी के साथ निभाया, जिससे उनका प्रभाव गहरा और दुर्लभ हो गया। उन्होंने बहुत से कलाकारों को मार्गदर्शन दिया और एक मार्गदर्शक को खोना अलग तरह से प्रभावित करता है, जिससे वे जहां खड़े थे, वहां एक खालीपन रह जाता है। उन्होंने जीवन के बारे में सिखाया कि एक कलाकार की तरह कैसे जीना है, सीखना है और रियाज या अभ्यास को अपनी सांसों की तरह स्वाभाविक बनाना है। उन्होंने कठोरता के बारे में सिखाया।

संविधान की प्रगतिशील भावना अंतत-जीतेगी

26 नवम्बर, 2024 को हमने भारत के संविधान को अपनाने की 75वीं वर्षगांठ मनाई। संसद के दोनों सदनों ने दिनचर्या से हटकर 75 वर्षों के दौरान संविधान की यात्रा को याद करने के लिए 2-2 दिन समर्पित किए। अच्छे और बुरे भाषण तो थे, लेकिन कोई भी ऐसा उत्साहवर्धक भाषण नहीं था जिसे 75 साल बाद भी याद रखा जा सके, जैसे 14-15 अगस्त, 1947 को जवाहरलाल नेहरू का 'ए ट्रिस्ट विद डेस्टिनी' या 25 नवंबर, 1949 को संविधान सभा में बाबासाहेब आंबेडकर का 'जनता द्वारा सरकार' था। 75 साल पहले, संविधान सभा के विचार-विमर्श के पीछे कांग्रेस पार्टी प्रेरक शक्ति थी। डा. आंबेडकर ने कांग्रेस को संविधान सभा में व्यवस्था और अनुशासन की भावना' लाने वाला बताया था। आज कांग्रेस लोकसभा और राज्यसभा में विपक्ष की बैंच पर बैठती है। यह भाग्य का एक दर्दनाक परिवर्तन है, लेकिन अपरिवर्तनीय नहीं है। भाजपा का आपातकाल का जुनून= कांग्रेस विरोधी राजनीतिक संरचनाओं, खासकर भाजपा और दक्षिणपंथी तत्वों की कल्पना में, संविधान के साथ कांग्रेस का जुड़ाव जून 1975-मार्च 1977 के दौरान लागू आपातकाल और नागरिकों के मौलिक अधिकारों के निलंबन से था। सच है, यह कांग्रेस के 139 साल के इतिहास में एक घिनौना अध्याय था, लेकिन इंदिरा गांधी ने माफी मांगी और कसम खाई कि आपातकाल कभी नहीं दोहराया जाएगा। लोगों ने उनकी माफी स्वीकार कर ली और उन्हें और कांग्रेस को 1980 में भारी बहुमत के साथ सत्ता में वापस ला खड़ा किया। क्या संविधान के निर्माण और संविधान को मजबूत करने में कांग्रेस का कोई और जुड़ाव नहीं है? और वह प्रेरक कहानी शायद ही कभी सुनाई जाती है। संविधान का अनुच्छेद 368 संसद को संविधान में संशोधन करने की शक्ति प्रदान करता है। मतलब कि किसी भी देश के संविधान में एक आवश्यक शक्ति क्योंकि राष्ट्र को नए खतरों और अवसरों का सामना करना पड़ता है क्योंकि संविधान की व्याख्या और पुनर्व्याख्या न्यायाधीशों द्वारा की जाती है जो मामले की सुनवाई करते हैं। संविधान एक जीवंत दस्तावेज है जिसे राष्ट्र के बदलते जीवन के अनुकूल बनाना होता है।

संशोधनों ने संविधान को मजबूत किया = अगर मैं बहस में बोलता, तो मुझे कांग्रेस सरकारों द्वारा संविधान में किए गए कुछ संशोधन याद आते, जिन्होंने वास्तव में संविधान को मजबूत किया और संविधान की प्रस्तावना में निर्धारित उच्च लक्ष्यों को आगे बढ़ाया, विशेष रूप से न्याय (सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक) और समानता (स्थिति और अवसर की) के तौर पर। प्रथम संशोधन ने अनुच्छेद 31ए और अनुच्छेद 31बी को शामिल किया और दमनकारी, सामंती जमींदारी प्रथा के उन्मूलन का मार्ग प्रशस्त किया और लाखों किसानों और खेत मजदूरों को मुक्ति दिलाई तथा भूमि सुधार और भूमि वितरण को सुगम बनाया। प्रथम संशोधन ने सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों के लिए नागरिकों को पूर्ण या आंशिक रूप से बहिष्कृत करते हुए कोई भी व्यापार, उद्योग, व्यवसाय या सेवा करने के लिए कानूनी आधार भी तैयार किया। संविधान (22वां संशोधन) अधिनियम, 1976 को संविधान में किए गए कई बदलावों के लिए बदनाम किया गया है। हालांकि, बहुत कम लोगों को याद होगा कि इसने 2 ऐसे बदलाव किए थे जिन्हें आने वाली पीढियां याद रखेंगी।

पहला था अनुच्छेद 39-ए को शामिल करना, जो समान न्याय सुनिश्चित करने के लिए राज्य को 'निःशुल्क कानूनी सहायता प्रदान करने' के लिए कानूनी रूप से बाध्य करता है। दूसरा अनुच्छेद 48-ए को शामिल करना था, जो राज्य के लिए 'पर्यावरण' की रक्षा और सुधार करना और जंगलों और वन्य जीवन की रक्षा करना अनिवार्य बनाता है। संविधान (92वां संशोधन) अधिनियम, 1985, जिसने संविधान की दसवीं अनुसूची को शामिल किया, आयाराम और गयाराम (दलबदल) की चिरस्थायी समस्या से निपटने का पहला प्रयास था। अफसोस की बात है कि इसमें निर्वाचित विधायकों की चालाकी या स्पीकर की मिलीभगत या न्यायालयों के भ्रमित फैसलों का अनुमान नहीं लगाया गया। दसवीं अनुसूची का उद्देश्य तभी पूरा होगा जब अनुसूची में फिर से संशोधन किया जाएगा। संविधान में सबसे दूरगामी संशोधन संविधान (70वां संशोधन) अधिनियम, 1992 और संविधान (74वां संशोधन) अधिनियम, 1992 थे, जिन्होंने पंचायतों और नगर पालिकाओं के लिए अलग-अलग प्रावधान किए और लोकतंत्र को गहरा और मजबूत किया।

लाखों महिलाओं और अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जनजातियों के सदस्यों को राजनीतिक मुख्यधारा में लाया गया और लोकतांत्रिक शक्ति का प्रयोग करने के लिए सशक्त बनाया गया। इतिहास में सत्ता के इतने बड़े पैमाने पर हस्तांतरण और पुनर्वितरण का कोई पिछला उदाहरण नहीं है। दोनों सदनों में बहस, दुर्भाग्य से, आरोप-प्रत्यारोप वाली थी। यह संविधान की 75 साल की यात्रा में एकमात्र विचलन पर केंद्रित थी जो वास्तव में गंभीर था। एक राष्ट्र-एक चुनाव और भाजपा द्वारा किए गए अन्य परिवर्तन इससे भी बदतर हैं। वे लोकतंत्र और संघवाद को कमजोर करने की धमकी देते हैं। हालांकि, मुझे विश्वास है कि संविधान की मजबूत रीढ़ और इसकी मजबूत और प्रगतिशील भावना अंतत= जीतेगी।

'बच्चों के मिड-डे मील"में हो रही बड़े पैमाने पर हेराफेरी'

भारत के सरकारी स्कूलों में 'मिड-डे मील स्कीम' अर्थात 'दोपहर का भोजन योजना' विश्व की सबसे बड़ी निःशुल्क खाद्य वितरण योजना है जिसकी शुरूआत 1995 में गरीब बच्चों को स्कूलों की ओर आकर्षित करने के लिए की गई थी। तब अधिकांश राज्यों ने इस योजना के अंतर्गत लाभार्थियों को कच्चा अनाज देना शुरू किया था परंतु 28 नवम्बर, 2002 को सुप्रीम कोर्ट के आदेश पर बच्चों को पका कर भोजन देना शुरू किया गया। एक अच्छी योजना होने के बावजूद मिड-डे मील के वितरण से जुड़े कुछ लोगों द्वारा भोजन सामग्री बच्चों तक पहुंचाने की बजाय उसमें हेराफेरी की जा रही है

जिसके चंद उदाहरण निम्न में दर्ज हैं =* 14 जनवरी को मिर्जापुर (उत्तर प्रदेश) में 'पटेहरा' स्थित सरकारी प्राइमरी स्कूल के प्रिंसीपल श्याम बहादुर यादव तथा अध्यापक सूर्यकांत तिवारी के विरुद्ध मिड-डे मील में घपला करने के आरोप में केस दर्ज किया गया।

डीएसपी ने डॉक्टर की पत्नी से किया रेप

घर में घुसकर पिटाई भी की, पति-बेटा गए थे बाहर, आरोपी सुकमा में है एसडीओपी

मीडिया ऑडीटर, दुर्ग एजेंसी। छत्तीसगढ़ के दुर्ग में डीएसपी ने डॉक्टर की पत्नी से रेप किया है। बताया जा रहा है कि, आरोपी डीएसपी महिला का रिश्तेदार है, इसलिए घर में आना-जाना लगा हुआ था। आरोपी ने पहले महिला को पीटा, फिर दुष्कर्म किया। शिकायत के बाद मोहन नगर थाने में एफआईआर दर्ज कर ली गई है।

जानकारी के मुताबिक, डीएसपी तोमेश वर्मा सुकमा जिले के जगरगुंडा में एसडीओपी के पद पर पदस्थ है। पीड़ित महिला के मुताबिक जुलाई 2020 में प्लॉट खरीदने के सिलसिले में घर आया था। अपने परिवार के साथ उनके घर में रुका भी था। इसी दौरान महिला को देखकर तोमेश की नीयत बिगड़ी।

घर में अकेली पाकर किया दुष्कर्म: पीड़िता का आरोप है कि, 4 महीने पहले 31 अगस्त 2024 को शाम 7.30 बजे तोमेश उसके घर पहुंचा। उस दिन महिला घर पर अकेली थी। उसका डॉक्टर पति किसी काम से पाटन और बेटा ट्यूशन गया था। महिला ने तोमेश से कहा कि, घर में कोई नहीं है, इसके बाद भी वह जबरन घर में घुस गया।

पीड़िता ने बताया कि घर में घुसते ही डीएसपी ने छेड़छाड़ शुरू कर दी। महिला ने विरोध किया तो उसने मारपीट की और जबरन संबंध बनाए। रेप की वारदात के बाद डीएसपी तोमेश वहां से भाग गया।

पत्नी ने डॉक्टर पति को बताई आपबीती: महिला ने बताया कि, जब उसका पति पाटन से लौटा तो उसने पूरी आपबीती बताई। पति-पत्नी ने पहले तो यह सोचकर बात दबाई कि इससे बदनामी होगी, लेकिन उस वारदात के बाद महिला एकदम चुपचाप रहने लगी।

महिला किसी से ढंग से बातचीत भी नहीं करती थी। यह सब देखकर पति ने उसे थाने में एफआईआर दर्ज कराने को कहा। इसके बाद पति-पत्नी दोनों मोहन नगर थाने पहुंचे और शिकायत दर्ज कराई।

आरोपी डीएसपी की गिरफ्तारी नहीं हुई है: मामले में पुलिस ने कहा कि पीड़िता की शिकायत मिली है, जिसके बाद केस दर्ज किया गया है। महिला के आरोपों की जांच की जा रही है। हालांकि, अभी तक आरोपी डीएसपी की गिरफ्तारी नहीं हो पाई है। पुलिस मामले की जांच में जुटी है।

मंदबुद्धि महिला से गैंगरेप कर बनाया वीडियों

नहाने के दौरान बाइक पर बैठाकर ले गए 3 युवक, गांव वालों ने रंगे हाथों पकड़ा

मीडिया ऑडीटर, मुंगेली एजेंसी। छत्तीसगढ़ के मुंगेली जिले में मंदबुद्धि महिला से 3 युवकों ने गैंगरेप किया है। आरोपियों ने उसका फोटो खींचा और वीडियो भी बना लिया। जब गांव वालों को इसकी जानकारी हुई, तो उन्होंने तीनों तो पुलिस के हवाले कर दिया। घटना जरहागांव थाना क्षेत्र की है। जानकारी के मुताबिक, 19 दिसंबर को महिला शाम करीब 4 बजे नहाने के लिए घर से निकली थी। जब वो वापस घर नहीं आई, तो परिजनों ने खोजबीन की। इस दौरान पता चला कि, पड़ियाइन के रहने वाले 3 युवक उसे बाइक पर बैठकर अमलीकापा खार ले गए।

गांव वालों ने रंगे हाथों पकड़ा: जहां तीनों ने बारी-बारी से दुष्कर्म किया। लेकिन ढूंढने के दौरान गांव वालों ने आरोपियों को रंगे हाथों पकड़ लिया। जिसके बाद तीनों को पुलिस को सौंप दिया गया। पीड़िता की मां की शिकायत पर पुलिस ने धारा 137 (2), 140 (4), 64(2)(झ),70 बीएनएस के तहत केस दर्ज कर लिया है।

पुलिस ने गिरफ्तार कर भेजा जेल: वहीं, मंदबुद्धि पीड़िता का चेकअप कराकर बयान भी दर्ज किया गया है। पुलिस ने 20 दिसंबर को पथरिया के पड़ियाइन निवासी आरोपी राजू टंडन (22), बिरीज रात्रे (30) और जलेश कुमार रात्रे (21) को गिरफ्तार कर लिया है। तीनों को ज्यूडिशियल रिमांड पर जेल भेज दिया गया है।

चाकू-एयरगन की नोक पर पेट्रोल पंप में लूट

4 नकाबपोश बदमाशों ने दी वारदात, घटना सीसीटीवी में कैद

मीडिया ऑडीटर, दुर्ग एजेंसी। दुर्ग जिले के नंदिनी थाना क्षेत्र में पेट्रोल पंप पर 4 नकाबपोश बदमाशों ने चाकू और एयर गन की नोक पर 28 हजार रुपए कैश और दो मोबाइल लूट लिए। अब पुलिस आरोपियों की तलाश में जुट गई है। घटना मड़ेसरा स्थित बोथरा पेट्रोल पंप की है।

नंदिनी थाना प्रभारी मनीष शर्मा ने बताया कि, बोथरा पेट्रोल पंप के कैशियर पथरिया निवासी छत्रपाल साहू (18) ने मामले की शिकायत दर्ज कराई है। उसने बताया कि, शुक्रवार रात 20 दिसंबर को वो और गोपाल साहू पेट्रोल पंप पर ड्यूटी पर थे।

रात करीब 10 बजे पेट्रोल पंप बंद कर वे पंप में स्थित ऑफिस में सोने चले गए। रात करीब पौने एक बजे एक्टिवा और बाइक पर चार लड़के आए। चारों की उम्र 25 से 30 साल के बीच रही होगी। बाइक सवार उनमें से दो लड़के ऑफिस के पास गाड़ी लेकर आए और

आवाज लगाई।

पेट्रोल देने से मना करने पर की गाली-गलौज: कैशियर छत्रपाल और गोपाल ने उठकर ऑफिस का गेट खोला, तो उन लड़कों ने कहा कि, वो मुसीबत में हैं। पेट्रोल अर्जेंट में चाहिए। इस पर गोपाल ने कहा कि, पेट्रोल पंप बंद हो चुका है। वो पेट्रोल नहीं दे सकते हैं। इतना सुनने के बाद उन लड़कों ने उनसे विवाद शुरू कर दिया। उन्होंने स्टाफ से गाली-गलौज की।

बाइक सवार दो लड़कों में से एक ने चड्ढा पहना था और अपने चेहरे में गमछा बांधा हुआ था। दूसरा लड़के ने चेहरे को मंकी कैप से ढका हुआ था। जब छत्रपाल ने गाली देने से मना किया तो उन लोगों ने उन्हें धमकी दी कि या तो पेट्रोल दो या फिर उन्हें पेट्रोल भरवाने के लिए पैसा दो।

चाकू-एयरगन की नोक पर लूट: छत्रपाल और गोपाल ने उनका विरोध किया तो वो दोनों लड़के हाथ मुक्का और डंडे से मारपीट करने लगे। इस दौरान एक लड़के अपने पास रखे चाकू और दूसरे ने एयर गन को निकाल कर से छत्रपाल और गोपाल को कमरे में बैठा दिया।

इसके बाद उन लोगों ने उन्हें डरा धमका कर आफिस में रखी अलमारी के लॉकर को तोड़ा और वहां रखे 28 हजार कैश के साथ छत्रपाल और गोपाल का मोबाइल छीन कर भाग गए। उनके साथ उस दौरान 2 अन्य लड़के थे जो आफिस के बाहर ही खड़े थे।

आरोपियों के भागने के बाद छत्रपाल ने घटना की जानकारी पेट्रोल पंप के मैनेजर गुलाब सोनी को दिया और उसने मालिक रजनीश शर्मा को फोन कर बताया। सभी देर रात नंदिनी थाना पहुंचे और रिपोर्ट दर्ज कराई है। पुलिस टीम आस पास लगे सीसीटीवी कैमरे के फुटेज खंगाल रही है।

रिटायर्ड बिजली कर्मचारी के घर लाखों की चोरी

12 तोला सोना, 800 ग्राम चांदी के जेवरात और सिक्के किए पार

मीडिया ऑडीटर, भिलाई एजेंसी। भिलाई के जामुल थाना क्षेत्र में रिटायर्ड बिजली कर्मचारी के घर से लाखों की चोरी हुई है। चोरों ने घर में घुसकर अलमारी के लॉकर से सोने-चांदी के जेवरात चुरा लिए। उनके घर से 12 तोला सोना और करीब 800 ग्राम चांदी के जेवरात और सिक्के चोरी हो गए। जामुल थाना प्रभारी कपिल देव पांडे के मुताबिक, खेड़ामारा गुलाब नगर निवासी भरत लाल गांड़्रे (66) ने बताया कि वे सीएसपीडीसीएल के रिटायर्ड कर्मचारी हैं। 18 दिसंबर घासीदास जयंती पर वे घर में ताला लगाकर पूरे परिवार के साथ बाहर गए थे।

वे शाम छह बजे घर से करीब एक किलोमीटर दूर गुरु घासीदास बाबा के मंदिर गए थे। वहां से उनका बेटा मनीष गेंड्रे करीब आठ बजे मंदिर से घर लौटा और मेन गेट का ताला खोला तो दरवाजा अंदर से बंद मिला। इसके बाद उनका भतीजा अनिकेत दीवार फांदकर अंदर घुसा तो देखा कि मेन गेट की कुंडी अंदर से बंद थी। घर के अंदर चैनल गेट में लगा ताला टूटा था। इसके बाद मनीष और अनिकेत ने अंदर जाकर देखा तो बेडरूम का दरवाजा खुला था। आलमारी का दरवाजा और लॉकर खुला था। सामान बिखरा पड़ा था। अलमारी और लॉकर में रखे सोने-चांदी के जेवरात गायब मिले।

यह सामान हुआ चोरी: जब उन लोगों ने सामान का मिलान किया, तो पाया कि घर से सोने का एक 4 तोले का रानी हार, सोने का एक 3 तोले का रानी हार, सोने का एक नेकलेस 2 तोला, सोने का सिक्का एक 1 तोला, सोने की एक चेन आधा तोला, सोने की एक अंगूठी आधा तोला, सोने के चार टॉप्स 1 तोला, सोने का सिक्का एक ग्राम, चांदी का कमर बंद एक 25 तोला, चांदी का कमरबंद एक 20 तोले का, चांदी की पायल एक जोड़ी 10 तोला, चांदी की पायल एक जोड़ी 20 तोला, चांदी का सिक्का 20 नग चोरी हुआ है।

धान लोड ट्रक में लगी आग

700 बोरी धान में से 100 बोरी जला, उपार्जन केन्द्र से मिलिंग के लिए परिवहन

मीडिया ऑडीटर, रायगढ़ एजेंसी। छत्तीसगढ़ के रायगढ़ में धान लोड ट्रक में आग लग गई। जिससे ट्रक में लोड 700 बोरी धान में से 100 बोरी धान जल गई। घटना के बाद मामले की सूचना पर दमकल विभाग को सूचना दी गई। जिसके बाद फायर ब्रिगेड ने आग पर काबू पाया गया।

जानकारी के मुताबिक, कोतरा रोड थाना क्षेत्र के तरकेला उपार्जन केन्द्र में धान की खरीदी और मिलर्स ने धान के उठाव का काम चल रहा है। ऐसे में शनिवार की देर शाम समिति से मिलिंग के लिए एक ट्रक में 700 बोरी धान लोडकर राईस मिल परिवहन किया जा रहा था।

इसी कुसमुरा के पास एकाएक ट्रक में धुंआ निकला और धीरे धीरे आग लग गई। थोड़े ही देर में आग की लपटे तेज हो गई, तो चालक ट्रक रोक दिया। इसके बाद मामले की सूचना कोतरा रोड पुलिस और फयर ब्रिगेड को दी गई।

केबिन में तकनीकी समस्या आने से लगी आग: ऐसे में कुछ ही समय में फायर ब्रिगेड और पुलिस के जवान मौके पर पहुंचे। आग पर काबू पाने का प्रयास किया गया और करीब 1 घंटे में आग को बुझा लिया गया। तब तक ट्रक काफी हद तक जल चुकी थी। साथ ही ट्रक में लोड धान में भी आग लग गया था। बताया जा रहा है कि ट्रक के केबिन में तकनीकी समस्या आ जाने के चलते आग लग गई।

100 बोरी धान जल गया: खाद्य अधिकारी खुमेश्वर सिंह ने बताया कि, घटना में कोई घायल नहीं हुआ है। ट्रक में मिलर्स द्वारा समिति से उठाव कर 700 बोरी धान परिवहन किया जा रहा था। जिसमें शुरुआती आंकलन में 100 बोरी धान के जलने की आशंका है। उन्होंने बताया कि मिलर द्वारा डीओ जारी करवाकर धान उठाव किया गया था।

9वीं की छात्रा से सीनियर ने किया रेप

विरोध निकाला गया कैंडल मार्च, पिता बोले-लड़का पुलिस वाले का बेटा,टीचर ने नहीं लिया एक्शन

मीडिया ऑडीटर, रायपुर एजेंसी। राजधानी की 14 साल की एक छात्रा से 11वीं में पढ़ने वाले सीनियर छात्र ने स्कूल कैंपस में दुष्कर्म किया। उसने छात्रा को धमकी दी कि अगर उसने किसी को घटना के बारे में बताया तो उसका बुरा हाल होगा। वह बदनाम हो जाएगी। छात्रा डर गई और घर चली गई। एक-दो दिन वो स्कूल गई।

इस दौरान आरोपी छात्रा को अकेले में बुलाकर फिर गलत हरकत करता था। लगातार सीनियर के टॉर्चर से छात्रा ने स्कूल जाना बंद कर दिया। वह तीन माह तक स्कूल नहीं गई। इस घटना के विरोध में शनिवार को कैंडल मार्च निकालकर जयस्तंब चौक पर मौन प्रदर्शन किया गया। साथ ही दोषी पर कड़ी कार्रवाई और स्कूल प्रशासन प्रबंधन पर

एफआईआर दर्ज करने की मांग की गई।

रायपुर एसएसपी लाल उमेंद सिंह ने बताया कि, राजेंद्र नगर थाना में छात्रा से हुए दुष्कर्म के मामले में रिपोर्ट दर्ज की गई है। हालांकि यह घटना कुछ दिन पहले की है। जिसमें एक डॉक्टर से काउंसिलिंग करने के बाद छात्रा के माता-पिता ने थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई है। छात्र के खिलाफ केस दर्ज बाल सुधार गृह भेजा गया है।

बच्चों से भरी बस पर गिरा बिजली का तार

अचानक बारिश होने से ट्रांसफॉर्मर में शार्ट सर्किट, बाल-बाल बची जान

मीडिया ऑडीटर, बिलासपुर एजेंसी। बिलासपुर जिले के सरकंडा इलाके में बारिश के दौरान सड़क किनारे लगे ट्रांसफॉर्मर में शार्ट सर्किट के बाद चिंगारी निकली। जिससे बिजली का तार टूटकर बच्चों से भरी बस पर गिर गया। इससे बच्चों की जान आफत में आ गई। इधर, कई बार फोन करने के बाद बिजली विभाग की टीम और करीब एक घंटे बाद पुलिस मौके पर पहुंची।

दरअसल, मोपका चौक के पास शनिवार की रात हुई बारिश के दौरान ट्रांसफॉर्मर में शार्ट सर्किट होकर चिंगारियां निकली। इसके बाद बिजली का तार टूटकर गिर गया। इसी दौरान वहां से बच्चों को लेकर एक बस गुजर रही थी। बिजली का तार बस के ऊपर जा

गिरा। इसे देख ड्राइवर सकते में आ गया। कुछ युवकों ने किसी तरह बच्चों को बस से उतारा।

इसी बीच सड़क पर गिरे बिजली के तारों के बीच स्कूटी सवार महिला फंस गई। युवकों ने महिला को भी किसी तरह तार से बाहर निकाला। इस बीच कुछ लोगों ने इस घटना की जानकारी मोपका पुलिस को दी। इधर, पुलिस की टीम मौके पर नहीं पहुंच सकी। लोगों ने किसी तरह वहां से लोगों को निकाला। कई बार फोन करने के बाद बिजली विभाग के कर्मचारी मौके पर पहुंचे। इसके बाद बिजली के तार को सड़क से हटाया गया।

चौकी प्रभारी को घटना की जानकारी ही नहीं: बच्चों से भरी बस पर बिजली का तार गिरने की जानकारी ही नहीं मिली। रात करीब 11 बजे इस मामले में जानकारी लेने पर मोपका चौकी प्रभारी संजीव ठाकुर इस तरह की घटना होने की जानकारी से इनकार कर रहे थे। उन्होंने बताया कि मोपका चौक के आसपास इस तरह की घटना की कोई सूचना नहीं मिली है।

उन्होंने जवानों को मौके पर भेजने की बात भी कही। इधर चौक के आसपास रहने वाले लोगों ने बड़ा हादसा टल जाने की बात कही। साथ ही पुलिस पर आरोप लगाया कि कई बार सूचना देने के बाद भी पुलिस के दो जवान करीब एक घंटे बाद मौके पर पहुंचे थे।

पिता की मौत का सदमा, बेटियां ट्रेन के सामने कूदी

एक की मौत दूसरे की हालत गंभीर, रायपुर के वाल्टर गेट के पास घटना

मीडिया ऑडीटर, रायपुर एजेंसी। रायपुर के एम्स अस्पताल में इलाज के दौरान पिता की मौत से दो बेटियों को गहरा सदमा लग गया। उन्होंने ट्रेन के सामने कूदकर आत्महत्या करने की कोशिश की। जिसमें एक बेटी का सिर कुचलाने से मौके पर ही मौत हो गई। वहीं दूसरी बेटी गंभीर रूप से घायल हो गई। जिसका अस्पताल में इलाज जारी है। मामला खमतराई थाना क्षेत्र का है।

जानकारी के मुताबिक, गोंदवारा के रहने वाले विजय अग्रवाल की बीमारी के बाद इलाज के दौरान ढ्ढक्वस्स् अस्पताल में मौत हो गई। पिता की मौत के बाद उनकी दो बेटियों आंचल (30) और फूल कुमारी (28) को गहरा सदमा लगा। दोनों बेटियों ने इस सदमे का सामना नहीं कर पाई। फिर उन्होंने शुक्रवार रात करीब 9 अस्पताल से बाहर निकल गईं। दोनों खमतराई के वाल्टर गेट के पास पहुंच गए।

ट्रेन के सामने लगा दी छलांग: हावड़ा मुंबई रेलवे लाइन से गुजर रही एक एक्सप्रेस ट्रेन के सामने कूद गए। परिचालक ने ट्रेन रोकने के लिए ब्रेक दबाया। लेकिन तब तक देर हो चुकी थी। आंचल का सिर बुरी तरह कुचला गया। उसकी मौके पर मौत हो गई। तो वहीं फूल कुमारी गंभीर रूप से घायल हो गई। इस घटना के बाद उसे अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

घटना के बाद परिवार गहरे शोक में: इस घटना के बाद पिता और एक बेटी का अंतिम संस्कार एक साथ किया गया। इस घटना के बाद परिवार में गहरा शोक है। फिलहाल खमतराई पुलिस इस मामले में आगे की जांच पड़ताल कर रही है।

जैन मंदिर से सोने-चांदी के 54 सामान चोरी

गॉर्ड सोता रहा, चोरों ने आरी से काटा ताला, मूर्ति के ऊपर का छत्र भी चुराया

मीडिया ऑडीटर, रायपुर एजेंसी। रायपुर के जैन मंदिर में घुसकर चोरों ने सोने-चांदी के 54 सामानों की चोरी कर ली है। इन सामानों में भगवान की मूर्ति के ऊपर का छत्र, सोने का कलश और चांदी के करीब 4 दर्जन से ज्यादा बर्तन थे। इस वारदात के दौरान मंदिर में गार्ड भी ड्यूटी पर था लेकिन वह सोता रहा। तेलीबांधा पुलिस मामले में जांच में जुट गई है।

जानकारी के मुताबिक, लाभाण्डी इलाके में 1008 पदम प्रभ दिगंबर जैन मंदिर स्थित है। रविवार रात डेढ़ बजे के करीब चोर मंदिर के साइड वाले दरवाजे से भीतर घुसे। दरवाजे पर दो ताला लगा हुआ था। जिसे उन्होंने आरी से काट दिया। अंदर घुसकर चोरों ने सबसे पहले चारों तरफ का मुआयाना किया। फिर सीसीटीवी कैमरे के तारों को काट दिया।

50 से ज्यादा कीमती सामान किया पार: चोरों ने जैन मंदिर से भगवान के ऊपर लगा हुआ गोल्ड पॉलिश वाला तीन चांदी का छत्र, 5 पंचमेरू, 8 अष्ट प्रतिहार्य, 2 चांदी की बड़ी थाली, 1 सोने का कलश, 9 चांदी का अभिषेक कलश, 6 शांति धारा झारी, 4 छत्र चांदी, 2 चांदी की थाली, 3 आशिका, 5 छोटी चांदी की प्लेट, 1 चांदी का लोटा, एक चांदी की बड़ी गंजी, चांदी का चम्मच और अन्य सामान चोरी किया है। आशंका है कि इन सामानों की कीमत 20 से 25 लाख की है।

सिक्योरिटी गार्ड भी था मौजूद: इस मामले में पुलिस को सुबह 5-6 बजे के करीब शिकायत मिली। तेलीबांधा पुलिस के टीम मौके पर पहुंची। बताया जा रहा है कि मंदिर प्रबंधन ने सुरक्षा के लिए सिक्योरिटी गार्ड भी तैनात किया है। गार्ड का कहना है कि वारदात के वक्त उसकी आंख लग गई थी। उसे किसी भी तरह की कोई आवाज नहीं आई थी। जबकि चोरों ने आरी से ताला को काटा है।

मंदिर के भीतर दो दरवाजे अंदर से थे बंद: इस जैन मंदिर में तीन दरवाजे हैं जिसमें एक सामने मुख्य दरवाजा है। जबकि दो छोटे लकड़ी के दरवाजे साइड में बने हुए हैं। रात में भगवान के पूजा पाठ के बाद मुख्य दरवाजा और एक साइड के दरवाजे को भीतर से बंद कर दिया जाता है। फिर एक अन्य छोटे दरवाजे पर ताला लगाकर बाहर निकलते है। पुलिस को आशंका है कि चोर पहले से मंदिर के भीतर की रेकी किया था।

इस मामले में तेलीबांधा पुलिस एफआईआर दर्ज कर सीसीटीवी और आसपास के इलाकों में पूछताछ कर चोर की तलाश कर रही है।

जुआ खेलते 4 आरोपियों को पुलिस ने पकड़ा

मीडिया ऑडीटर, राजनांदगांव एजेंसी। राजनांदगांव जिले के डोंगरगढ़ में पुलिस ने लॉज के पीछे जुआ खेल रहे 4 लोगों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों से 12 हजार रुपए नकद जब्त किया गया है। सभी के खिलाफ जुआ एक्ट की कार्रवाई की गई है।

डोंगरगढ़ थाना प्रभारी जितेंद्र वर्मा ने बताया कि शुक्रवार को न्यू दिल्ली लॉज के पीछे खाली जगह में 52 पत्ती के साथ जुए की फड़ जमे होने की सूचना मिली। जहां पुलिस की टीम ने रेड कार्रवाई की।

एलजी बोले- दिल्ली में फ्री बिजली नहीं

नई दिल्ली। दिल्ली के उपराज्यपाल वीके सक्सेना ने रविवार को वीडियो शेयर करके सरकार की फ्री बिजली योजना पर सवाल उठाए। साथ ही शहर की गंदगी और बदइंतजामी की ओर भी इशारा किया। वीडियो में एलजी दक्षिणी दिल्ली के इलाके में लोगों से बातचीत करते दिख रहे हैं। वीडियों में लोग कह रहे हैं कि हम 10-15 हजार रुपए बिल भर रहे हैं। इस पर एलजी कहते हैं कि यहां तो बताया जाता है कि फ्री बिजली है। जवाब में लोग कहते हैं- कोई फ्री बिजली नहीं है। किसी का बिल 5-10 हजार रुपए से कम नहीं आता है। हम आपको बता रहे हैं, एक यूनिट बिजली भी फ्री नहीं है।

एलजी ने शनिवार को दक्षिण दिल्ली के रंगपुरी पहाड़ी और कापसहेड़ा के इलाकों का दौरा किया था। उनके साथ स्थानीय भाजपा सांसद रामवीर बिधूड़ी और हाल ही में आम आदमी पार्टी से भाजपा में आए दिल्ली के पूर्व मंत्री कैलाश गहलोत भी थे।

आतिशी बोलीं- हर समस्या का समाधान करेंगे एलजी ने अपनी पोस्ट में लिखा- लाखों लोगों की बेबसी और दयनीय जीवन फिर से देखना बेहद निराशाजनक और परेशान करने वाला रहा। बुनियादी सुविधाओं की कमी है। नालियों की व्यवस्था नहीं है, संकरी गलियां लगातार गाद और गंदे पानी से भरी रहती हैं। महिलाएं 7-8 दिन में एक बार आने वाले टैंकर से बाल्टियों में पानी ढोने को मजबूर हैं। इसके बाद सीएम आतिशी उन इलाकों में पहुंचीं और स्त्र का धन्यवाद किया। उन्होंने कहा- मैं स्त्र का धन्यवाद करूंगी कि उन्होंने समस्या की जानकारी दी। मैं उनसे कहूंगी कि उन्हें दिल्ली में कहीं भी कोई परेशानी दिखे तो वे बताएं, आम आदमी पार्टी की सरकार दिल्ली वालों की हर समस्या का समाधान करेगी।

मुंबई में 4 साल के बच्चे को एसयूवी ने रौंदा

मुंबई। मुंबई में 19 साल के क्रेटा चला रहे एक युवक ने 4 साल के बच्चे को रौंद दिया, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। पुलिस ने बताया कि घटना शनिवार शाम को करीब 5 बजे हुई है, तब बच्चा सड़क किनारे खेल रहा था। मृतक बच्चे का नाम आरुष किनवाड़े है। उसकी फैमिली वडाला इलाके में अंबेडकर कॉलेज के पास फुटपाथ पर रहती है। शनिवार को बच्चा फुटपाथ के पास ही खेल रहा था। इसी दौरान तेज रफ्तार से एसयूवी कार चला रहे युवक ने आरुष पर कार चढ़ा दी। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। उसका नाम भूषण संदीप गोले है। वह विले पार्ले का रहने वाला है। एक्सीडेंट को लेकर अभी ज्यादा जानकारी सामने नहीं आई है। 12 दिन पहले भी मुंबई में बीईएसटी बस ने 30 लोगों को कुचला था। पुलिस बोली- आरोपी नशे में था या नहीं, जांच कर रहे पुलिस ने बताया कि आरोपी भूषण संदीप गोले को गिरफ्तार कर उसका मेडिकल कराया गया है। वह नशे में कार चला रहा था या नहीं, इसकी जांच की जा रही है। बच्चे की बॉडी को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया गया है। जांच के बाद ही जानकारी दी जाएगी। मुंबई में 12 दिन पहले बस ने 30 लोगों को कुचला मुंबई के कुर्ला में 8 दिसंबर को क्ष्भ्स्ञ बस ने करीब 30 लोगों को कुचल दिया था, जिसमें चार की मौत हो गई और 26 लोग घायल हुए। हादसा कुर्ला पश्चिम रेलवे स्टेशन रोड पर अंबेडकर नगर में हुआ। बस कुर्ला स्टेशन से अंधेरी जा रही थी।

कम्युनिस्ट नेता बोले- प्रियंका-राहुल को सांप्रदायिक मुस्लिमों का सपोर्ट

वायनाड। सीपीआई (एम) पोलित ब्यूरो के सदस्य ए विजयराघवन ने कहा, राहुल और प्रियंका गांधी की वायनाड जीत के पीछे सांप्रदायिक मुस्लिम गठबंधन था। उन्होंने सवाल उठाया कि क्या सांप्रदायिक मुस्लिम गठबंधन के मजबूत समर्थन के बिना राहुल गांधी जीत सकते थे? उन्होंने कहा, वायनाड से दो व्यक्ति राहुल और प्रियंका गए हैं, किसके समर्थन से? वे सांप्रदायिक मुस्लिम गठबंधन के मजबूत समर्थन से जीते। उनके समर्थन के बिना क्या राहुल गांधी का दिल्ली पहुंचना संभव था। आज वे विपक्ष के नेता हैं। विजयराघवन ने कहा, प्रियंका गांधी की रैलियों में आगे और पीछे कौन लोग थे? ये अल्पसंख्यकों में शामिल सबसे खराब चरमपंथी लोग थे, जो कांग्रेस लीडरशिप के साथ थे। विजयराघवन 21 दिसंबर को वायनाड के बाथरी पहुंचे थे।

टीकमगढ़ के माथे पर लग रहा है विकास का तिलक : मुयमंत्री

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि टीकमगढ़ के माथे पर विकास का तिलक लग रहा है। जिले में अब कभी सूखे की समस्या नहीं होगी। देश की पहली नदी जोड़ो परियोजना से टीकमगढ़ ही नहीं बल्कि पूरे बुन्देलखण्ड की तस्वीर और तकदीर बदलेगी। बहुप्रतीक्षित केन-बेतवा लिंक राष्ट्रीय परियोजना से वृहद स्तर पर सिंचाई एवं पेयजल सुविधा मिलेगी। साथ ही बिजली उत्पादन, फसलों की पैदावार एवं पर्यटन क्षेत्र में विकास से नागरिकों का जीवन खुशहाल होगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव रविवार को टीकमगढ़ जिले की जतारा तहसील में आयोजित जन-कल्याण पर्व सह किसान सम्मेलन कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने टीकमगढ़ जिले के लिये 105 करोड़ 63 लाख रूपए की लागत के 120 विकास कार्यों का भूमि-पूजन और लोकार्पण किया। साथ ही कार्यक्रम में उपस्थित किसानों को लड्डू खिलाकर 25 दिसम्बर को खजुराहों में आयोजित होने वाले केन-बेतवा

लिंक परियोजना के भूमि-पूजन कार्यक्रम के लिये आमंत्रित किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देश उन्नति के पथ पर अग्रसर है। केन-बेतवा लिंक परियोजना के लिए एक लाख करोड़ रूपए की राशि स्वीकृत की गई है।

भारत रत्न पूर्व प्रधानमंत्री स्व. अटल बिहारी वाजपेयी के नदी जोड़ने की परिकल्पना को साकार करने के लिए प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी 25 दिसम्बर को राष्ट्रीय महत्व की केन-बेतवा लिंक परियोजना का छतरपुर जिले के खजुराहो में भूमिपूजन करेंगे। परियोजना के साकार रूप लेने पर बुन्देलखण्ड हरा-भरा और समृद्धशाली बनेगा और इससे क्षेत्र में होने वाला पलायन भी रूकेगा। मुख्यमंत्री ने आमजनों को वृहद परियोजना के शुभारंभ अवसर पर खजुराहो में आमंत्रित किया और सभी उपस्थितजनों को मुट्ठी बांधकर परियोजना के भूमिपूजन कार्यक्रम में आने का संकल्प दिलाया।

खड़गे बोले- चुनाव नियम बदलना सरकार की सोची-समझी साजिश

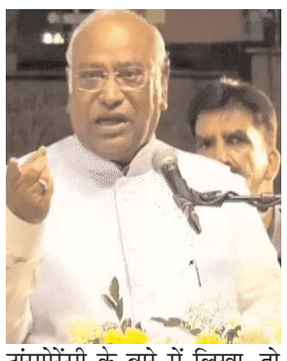

नई दिल्ली। वोटिंग नियमों में बदलाव को लेकर कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा कि मोदी सरकार ने चुनाव आयोग की स्वतंत्रता पर हमला किया है। रविवार सुबह एक्स पर पोस्ट में उन्होंने कहा- पहले मोदी सरकार ने सीजेआई को चुनाव आयुक्तों की नियुक्ति करने वाले पैनल से हटा दिया था और अब वे चुनावी जानकारी को जनता से छिपाना चाह रहे हैं। यह सरकार की सोची-समझी साजिश है। जब भी कांग्रेस ने इलेक्शन कमीशन को वोटर लिस्ट से नाम हटाए जाने और ईवीएम में

ट्रांसपेरेंसी के बारे में लिखा, तो ईसीआई ने अपमानजनक लहजे में जवाब दिया और हमारी शिकायतों को भी स्वीकार नहीं किया। दरअसल, केंद्र सरकार ने 20 दिसंबर को पोलिंग स्टेशन के सीसीटीवी, वेबकास्टिंग फुटेज और उम्मीदवारों की वीडियो रिकॉर्डिंग जैसे कुछ इलेक्ट्रॉनिक डॉक्यूमेंट्स को पब्लिक करने से रोकने के लिए चुनाव नियमों में बदलाव किया था। अधिकारियों ने बताया कि एआई के इस्तेमाल से पोलिंग स्टेशन के सीसीटीवी फुटेज से छेड़छाड़ करके फेक नैरेटिव फैलाया जा सकता है। बदलाव के बाद भी ये कैंडिडेट्स के लिए उपलब्ध रहेंगे। अन्य लोग इसे लेने के लिए कोर्ट जा सकते हैं।

दिल्ली स्कूलों में बम की धमकी भाई-बहन ने दी थी

नई दिल्ली। दिल्ली के 3 स्कूलों में बम की धमकी वहां पढ़ने वाले दो छात्रों ने ही दी थी। दोनों भाई-बहन थे। दिल्ली पुलिस स्पेशल सेल ने रविवार को इस बात की जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि काउंसिलिंग के दौरान छात्रों ने माना कि उन्होंने ई-मेल के जरिए 3 स्कूलों को बम की धमकी भेजी थी। वे चाहते थे कि एग्जाम टाल दिए जाएं। उन्होंने पहले की घटनाओं से धमकी भेजने का आइडिया मिला था। पुलिस को छात्रों ने बताया कि उन्होंने एग्जाम की तैयारी नहीं की थी। ऐसे में वे एग्जाम को टालना चाहते थे। पुलिस ने बताया कि दोनों छात्र थे, इसलिए काउंसिलिंग के बाद उन्हें छोड़ दिया गया। 17 दिसंबर को रोहिणी और पश्चिम विहार स्थित 3 स्कूलों में बम होने की धमकी भेजी गई थी। इसमें 72 घंटों के भीतर 85 लाख रुपए भेजने की बात कही गई थी। लिखा था कि अगर ऐसा नहीं किया गया तो बम ब्लास्ट कर दिया जाएगा। दिल्ली में इस साल मई से लेकर अब तक

50 बम की धमकियां भेजी गई हैं। इसमें सिर्फ स्कूल ही नहीं अस्पताल, एयरपोर्ट और एयरलाइन कंपनियां भी शामिल हैं। इस महीने 4 बार स्कूलों को बम से उड़ाने की धमकी दी जा चुकी है। 17 दिसंबर की घटना के अलावा 9 दिसंबर को 44 स्कूलों, 13 दिसंबर को 30 स्कूलों और 14 दिसंबर को 8 संस्थानों को बम से उड़ाने की धमकी दी गई थी। 14 दिसंबर को धमकी में सुसाइड बॉम्बर होने की बात कही गई थी।

शाह के इस्तीफे के लिए कांग्रेस कैंपेन चलाएगी

नई दिल्ली। गृह मंत्री अमित शाह की इस्तीफे की मांग को लेकर कांग्रेस पार्टी अगले साल 26 जनवरी तक देशभर में कैंपेन चलाएगी। 22 और 23 दिसंबर को कांग्रेस के नेता 150 से ज्यादा शहरों में प्रेस कॉन्फ्रेंस करेंगे। 24 मार्च को कलेक्ट्रेट पर मार्च निकालेंगे। 27 दिसंबर को कर्नाटक के बेलगावी में पार्टी बड़ी रैली होगी। कांग्रेस महासचिव केसी वेणुगोपाल ने रविवार को बताया कि संसद सत्र में संविधान पर चर्चा के दौरान अमित शाह ने अपने भाषण में बाबा साहब का अपमान किया है। शाह के बयान से सभी आहत हैं। अब तक अमित शाह या प्रधानमंत्री ने इसके लिए माफी मांगने की कोशिश नहीं की। कांग्रेस गणतंत्र दिवस यानी 26 जनवरी तक इस मुद्दे को देशभर में उठाएगी।% कांग्रेस नेता पवन खेड़ा ने भी जानकारी दी थी कि

लोकसभा और राज्यसभा के कांग्रेस सांसद सीडब्ल्यूसी सदस्यों के साथ देश भर के 150 अलग-अलग शहरों में प्रेस कॉन्फ्रेंस करेंगे और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के इस्तीफे की मांग करेंगे।

भाजपा ने भी जवाबी तैयारी शुरू की कांग्रेस के प्रदर्शन को देखते हुए भाजपा ने भी विपक्ष को जवाब देने की तैयारी शुरू कर दी है। पार्टी ने अपने एससी/एसटी मोर्चा को सभी विधानसभा सीटों पर जवाबी अभियान की योजना बनाने के लिए कहा है। यूपी भाजपा एससी/एसटी मोर्चा के अध्यक्ष राम चंद्र कन्नौजिया ने पुष्टि की कि पार्टी जमीनी स्तर पर विपक्ष को बेनकाब करने के लिए अभियान शुरू करेगी। उन्होंने कहा, पार्टी दलित विरोधी नारों और विपक्षी दलों के तहत पिछली सरकारों द्वारा उठाए गए कदमों को उजागर करेगी। उन्होंने कहा कि इस महीने के अंत में होने वाले संगठनात्मक चुनावों के तुरंत बाद यह कैंपेन शुरू हो जाएगा। उन्होंने कहा कि मोर्चे की जिला इकाइयों को दलित बहुल गांवों में जाने और पिछले 10 वर्षों में भाजपा सरकार द्वारा शुरू किए गए योजनाओं को लोगों तक पहुंचाने को कहा गया है।

जयशंकर बोले-किसी वीटो के चलते भारत अपने फैसले नहीं लेगा

नई दिल्ली। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने शनिवार को कहा कि भारत कभी भी दूसरों को अपनी पसंद पर वीटो करने की अनुमति नहीं दे सकता है। मुंबई के एक कार्यक्रम में उन्होंने वीडियो मैसेज में कहा- भारत अपने राष्ट्रीय हित और वैश्विक भलाई के लिए जो भी सही होगा, उसे बिना डरे करेगा।

जयशंकर ने कहा कि भारत वैश्विक स्तर पर जब और गहराई से जुड़ता है, तो उसके परिणाम गहरे होते हैं। उन्होंने यह भी बताया कि भारत की समृद्ध विरासत से दुनिया को बहुत कुछ सीखने को मिल सकता है, लेकिन यह तभी संभव है जब भारतीय अपने पर गर्व करें। हमारी आजादी को न्यूट्रेलिटी से कनफ्यूज न करें। हम वही करेंगे जो राष्ट्रहित में होगा। देश अपनी पहचान खोज रहा- जयशंकर ने कहा कि लंबे समय से हमें प्रगति और को हमारी परंपराओं की अस्वीकृति के रूप में देखने की शिक्षा दी गई। लेकिन अब, जैसे-जैसे लोकतंत्र मजबूत हुआ है, देश अपनी पहचान फिर से खोज रहा है। भारत महत्वपूर्ण मोड़ पर खड़ा- जयशंकर ने बताया कि भारत आज एक महत्वपूर्ण मोड़ पर खड़ा है, जहां इसे विकास की नई संभावनाएं दिखाई दे रही हैं। हालांकि, कुछ पुरानी समस्याएं अभी भी बनी हुई हैं, जिन्हें सुलझाना जरूरी है।

झोपड़ी में आग, परिवार के 3 सदस्य जिंदा जले

शिवपुरी। पड़ोसियों ने आग लगने की सूचना फायर ब्रिगेड को दी। बुजुर्ग और एक पोती की मौके पर ही मौत हो गई थी। जबकि दूसरी पोती ने अस्पताल ले जाने के दौरान रास्ते में दम तोड़ दिया। आग लगने का कारण फिलहाल स्पष्ट नहीं हो पाया है। बैराड़ थाना क्षेत्र के रसेरा पंचायत के लक्ष्मीपूरा गांव में रहने वाले वासुदेव और उसकी पत्नी रुकमणी रिश्तेदार की गमी में शामिल होने धौलपुर गए हुए थे। वासुदेव उसकी तीन बेटी अनुष्का, संध्या और ज्योति को अपने पिता हजारी के पास छोड़ गया था। 65 साल के बुजुर्ग हजारी बंजारा पोती संध्या (5) और ज्योति (10) के साथ सो रहे थे। पोती अनुष्का (7) अलग पलंग पर थी। रात करीब 11 बजे झोपड़ी में आग भड़क गई। ज्योति की आंख खुल गई। वह झोपड़ी से बाहर निकल गई, लेकिन उसके दादा और दोनों बहनें झोपड़ी में ही फंस गए। बताया जा रहा है कि ज्योति दौड़कर पड़ोस में रह रहे चाचा जीतेंद्र बंजारा के पास पहुंची। उन्हें आग लगने की बात बताई। इसके बाद ग्रामीणों ने मोटर से पानी डालना शुरू किया। इस बीच पुलिस, एम्बुलेंस और फायर ब्रिगेड के साथ पहुंची। करीब एक घंटे बाद आग पर काबू पाया गया। बैराड़ थाना प्रभारी विकास यादव ने बताया, झोपड़ी पर घांसफूस का छप्पर डला हुआ था, जो जलकर बुजुर्ग और उसकी दो पोतियों पर गिर गया। तीनों नीचे दब गए थे। आग बुझाने के बाद तीनों को झोपड़ी से बाहर निकाला गया। हजारी और अनुष्का की मौके पर मौत हो गई थी, वहीं संध्या की सांस चल रही थी। उसे तत्काल जिला अस्पताल भेजा गया।

यहां से उसे मेडिकल कॉलेज ले जाया गया।

श्रीनगर में पारा -8. से नीचे, झरनों का पानी जमा

नई दिल्ली/ भोपाल/ जयपुर/ श्रीनगर। देश के उत्तरी राज्यों में तेज सर्दी का दौर जारी है। जम्मू-कश्मीर, लद्दाख और हिमाचल प्रदेश के कई इलाकों में तापमान 0 डिग्री के नीचे बना हुआ है। हिमाचल में आज बर्फबारी का भी अलर्ट जारी किया गया है। इससे तापमान में और भी ज्यादा गिरावट हो सकती है। पंजाब-हरियाणा में भी शीतलहर के कारण तापमान में गिरावट दर्ज हुई। चंडीगढ़ में तापमान 0.8 डिग्री रिकॉर्ड किया गया। वहीं,

पंजाब के आदमपुर इलाके में पारा 1.8 डिग्री रिकॉर्ड किया गया। पंजाब में घना कोहरा भी देखने को मिला। अमृतसर, तरनतारन, बठिंडा, लुधियाना और बरनाला में विजिबिलिटी 100 मीटर दर्ज की गई। बर्फबारी और तेज सर्दी के साथ मौसम विभाग ने कुछ राज्यों में बारिश का भी अलर्ट जारी किया है। उत्तर प्रदेश के 6 जिलों में आज बारिश का भी अलर्ट जारी किया गया है। वहीं, मध्य प्रदेश, राजस्थान में कल से बारिश होने की संभावना जताई गई है।

ओपी चौटाला की रस्म पगड़ी देवीलाल स्टेडियम में

सिरसा। हरियाणा के 5 बार मुख्यमंत्री रहे ओमप्रकाश चौटाला की रस्म पगड़ी और श्रद्धांजलि सभा 31 दिसंबर को होगी। सिरसा के चौधरी देवीलाल स्टेडियम में यह सभा सुबह 11 बजे शुरू होगी। इसके अलावा उनकी 2 किताबें भी जल्द प्रकाशित हो सकती हैं। इनमें एक उनकी आत्मकथा और दूसरी %मेरी विदेश यात्रा% होगी। ये किताबें लगभग तैयार हैं। परिवार के मुताबिक चौटाला हर रोज डायरी लिखते थे। उर्दू में लिखी उनकी इन डायरियों का हिंदी में अनुवाद कराया जा चुका है। इसी से उनकी आत्मकथा प्रकाशित होगी। वहीं चौटाला ने 119 देशों की यात्रा की थी। इनमें अमेरिका, चीन, रूस, जर्मनी, फ्रांस, पुर्तगाल, स्पेन, डेनमार्क, हंगरी, पोलैंड, यूनान, ऑस्ट्रिया, नेपाल, कुवैत, दुबई, स्कॉटलैंड आदि शामिल हैं। इन्हीं में उनके अनुभव को उनकी दूसरी किताब में होंगे। इससे पहले कल (21 दिसंबर) शनिवार को ओपी चौटाला का सिरसा के तेजा खेड़ा गांव स्थित फार्म हाउस में राजकीय सम्मान के साथ अंतिम संस्कार किया गया। चौटाला के दोनों बेटों अजय चौटाला और अभय चौटाला ने उन्हें मुखाग्नि दी। उनके 4 पोतों दुष्यंत चौटाला, दिग्विजय चौटाला, कर्ण और अर्जुन चौटाला ने अंतिम रस्में निभाईं। इस मौके पर उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़, केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल खट्?टर, सीएम नायब सैनी, पूर्व सीएम भूपेंद्र हुड्?डा और पंजाब के पूर्व डिप्टी सीएम सुखबीर बादल ने चौटाला को श्रद्धांजलि दी। ओपी चौटाला का शुक्रवार (20 दिसंबर) को दिल का दौरा पड़ने के बाद 89 साल की उम्र में गुरुग्राम में निधन हो गया था।

आरोपी उस्मानिया यूनिवर्सिटी के स्टूडेंट, भगदड़ में मरने वाली महिला के परिवार को 1 करोड़ देने की मांग

मुंबई। एक्टर अल्लू अर्जुन के हैदराबाद स्थित घर के बाहर उस्मानिया यूनिवर्सिटी के स्टूडेंट्स ने तोड़फोड़ की है। इस मामले में पुलिस ने 8 लोगों की गिरफ्तारी की है। ये लोग एक्टर के घर में जबरन घुसने की कोशिश कर रहे थे। जब उन्हें रोका गया तो घर के बाहर रखे गमले तोड़ दिए। मीडिया रिपोर्ट्स में अल्लू अर्जुन के घर टमाटर फेंके जाने की बात भी कही गई है। स्टूडेंट्स ने पुष्पा-2 के प्रीमियर के दौरान संध्या थिएटर में मची भगदड़ में मारी गई महिला के परिवार को 1 करोड़ रुपए का मुआवजा देने की मांग की। इस घटना के कुछ समय पहले ही अल्लू अर्जुन ने पोस्ट किया था- मैं अपने सभी फैंस से अपील करता हूं कि वे हमेशा की तरह जिम्मेदारी से अपनी भावनाएं व्यक्त करें। ऑनलाइन और ऑफलाइन किसी भी प्रकार की अपमानजनक भाषा का इस्तेमाल न करें, ना ही किसी से गलत

व्यवहार करें। एक्टर पहले ही मृतक रेवती के परिवार को 25 लाख रुपए देने की बात कह चुके हैं। साथ ही घायलों का इलाज भी अपने खर्च पर करा रहे हैं। यह तस्वीर 4 दिसंबर की रात हैदराबाद के संध्या थिएटर के बाहर की है।

अल्लू अर्जुन अपनी फिल्म %पुष्पा 2% के प्रीमियर में पहुंचे थे, इसी के बाद भगदड़ मचने से महिला की मौत हो गई थी और उसका बच्चा गंभीर रूप से घायल हो गया था। हैदराबाद में 4 दिसंबर को फिल्म पुष्पा-2 की स्क्रीनिंग के दौरान भगदड़ मचने से एक महिला की मौत हो गई थी, जबकि उसका बेटा गंभीर रूप से घायल हो गया था। इस मामले में पुलिस ने एक्टर अल्लू अर्जुन, थिएटर और सिक्योरिटी एजेंसी पर गैर-इरादतन हत्या का केस दर्ज किया था। मृतक के परिवार की शिकायत के आधार पर पुलिस ने भारतीय न्याय संहिता की धाराओं 105 (गैर-इरादतन हत्या) और 118(1) (जानबूझकर चोट पहुंचाना) के तहत अल्लू अर्जुन, उनकी सिक्योरिटी टीम और थिएटर मैनेजमेंट के खिलाफ चिक्काडपल्ली पुलिस स्टेशन में मामला दर्ज किया था। अल्लू अर्जुन को 13 दिसंबर को दोपहर 12 बजे पुलिस ने गिरफ्तार किया था। गिरफ्तारी के बाद 4 बजे उन्हें लोकल कोर्ट में पेश किया गया था, जहां से 14 दिन की ज्यूडिशियल कस्टडी में भेजा गया था। अल्लू ने अंतरिम जमानत के लिए तेलंगाना हाईकोर्ट में अपील की थी। शाम 5 बजे उन्हें 50 हजार रुपए के पर्सनल बॉन्ड पर अंतरिम जमानत मिल गई थी। इसी दौरान अल्लू को चंचलगुडा सेंट्रल जेल ले जाया गया था। वहां उन्हें क्लास-1 बैरक में रखा गया था। इसके बाद अल्लू को 14 दिसंबर की सुबह करीब 6.30 बजे चंचलगुडा सेंट्रल जेल से रिहा किया गया। उनके पिता अल्लू अरविंद और ससुर कंचरला चंद्रशेखर रेड्डी उन्हें लेने जेल पहुंचे थे।

पंजाब की झांकी 26 जनवरी की परेड में होगी शामिल

अमृतसर। गणतंत्र दिवस 2025 के अवसर पर दिल्ली के कर्तव्य पथ पर होने वाली परेड के लिए पंजाब की झांकी को चयनित किया गया है। यह झांकी पंजाब की समृद्ध सांस्कृतिक धरोहर, परंपराओं और ऐतिहासिक महत्व को दर्शाएगी। हालांकि शहीदों पर आधारित झांकी के बीते साल चयनित ना होने पर काफी विवाद हुआ था और सीएम भगवंत मान ने केंद्र पर भेदभाव के आरोप लगा दिए थे। इस बार परेड में कुल 15 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों की झांकियां शामिल होंगी। इनमें बिहार, चंडीगढ़, दादरा और नगर हवेली, दमन और दीव, गोवा, झारखंड, कर्नाटक, मध्य प्रदेश, पंजाब, उत्तराखंड, आंध्र प्रदेश, गुजरात, त्रिपुरा, उत्तर प्रदेश, पश्चिम बंगाल और हरियाणा शामिल हैं। पंजाब की झांकी हर बार अपनी जीवंत और रंगीन प्रस्तुति के लिए जानी जाती है। इस वर्ष झांकी

में राज्य की ऐतिहासिक और सांस्कृतिक पहचान को उकेरा जाएगा, जिसमें सिख विरासत, भांगड़ा, गिद्दा, कृषि परंपराएं और स्वर्ण मंदिर जैसे अद्भुत प्रतीक शामिल होने की संभावना है।

बीते साल 26 जनवरी के लिए केंद्र सरकार की तरफ से झांकियों को रद्द किया गया था, साथ ही रक्षा मंत्रालय की तरफ से दिल्ली में होने वाले भारत पर्व में पंजाब की झांकी को भेजने की बात कहीं थी, उस समय राज्य के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने कह दिया था कि वह रिजेक्ट कैटेगरी में पंजाब की झांकी नहीं भेजेंगे।

वहीं, पंजाब और दिल्ली में पर खुद पंजाब की झांकियां निकालेंगे। ताकि लोगों को पंजाब के अमीर विरासत से रुबरू करवाया जा सके। सीएम मान ने कहा था कि हम अपने शहीद भगत सिंह, सुखदेव सिंह, लाला लाजपतराय, उधम सिंह माई भागो, करतार सिंह सराभा, गदरी बाबे और महाराजा रणजीत सिंह की कुर्बानियों का सम्मान करना जानते हैं।

बीते साल झांकियों के रिजेक्ट होने के बाद सीएम भगवंत मान ने आदेश दिया था कि 26 जनवरी को गणतंत्र दिवस पर दिल्ली में होने वाली परेड से बाहर हुई पंजाब की झांकियां आगामी लोकसभा चुनाव तक राज्य के हर गली मोहल्ले में जाएगी।

पंजाब सरकार की योजना बनाई थी कि झांकियों को उसी स्टाइल में पंजाब में घुमाया जाएगा, जिस तरह गणतंत्र दिवस की परेड में उन्हें दिखाया जाता है। इन्हें बाकायदा ट्रॉलियों पर सजाया गया और प्रत्येक विधानसभा हलके के प्रत्येक गांव में इन्हें ले जाया गया।

संक्षिप्त समाचार

अपने कौशल को निखारकर ही इतने बेहतर गेंदबाज बने अश्विन : शास्त्री

मेलबर्न। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कोच रवि शास्त्री ने कहा कि अपने कौशल को निखारकर ही अश्विन इतने सफल और बेहतर गेंदबाज बने । अश्विन ने कभी ये नहीं देखा कि कौन बल्लेबाजी कर रहा है बल्कि उनका ध्यान अपने प्रदर्शन पर रहता आया है। 38 वर्ष के अश्विन ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ तीसरे टेस्ट के बाद अचानक ही अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास लिया है। शास्त्री ने कहा, 'मुझे जो बात प्रभावित करती है , वह लगातार खुद को निखारने की उसकी ललक। वह अपने प्रदर्शन से कभी संतुष्ट नहीं होता। पिछले दो तीन साल में जिस तरह से उसने गेंदबाजी की है और अपने कौशल को निखारा है, वह अलग नजर आया है। इस पूर्व कोच ने कहा कि अपने खेल के विकास की प्रक्रिया में अश्विन ने नयी गेंदों और अपने एक्शन पर लगातार काम किया। शास्त्री ने कहा, 'वह लगातार नई चीजें सीखना चाहता था और उसने इस पर काफी काम भी किया। उसने हमेशा अपने में समय के साथ बदलाव किये। वह मैच विजेता रहा है और 537 टेस्ट विकेट ये साबित करते हैं। टेस्ट क्रिकेट में 500 से अधिक विकेट लेना विशेष उपलब्धि है। वेस्टइंडीज के खिलाफ 2011 में पदार्पण करने वाले अश्विन ने कुल 765 विकेट लिये जिनमें 537 टेस्ट विकेट थे। शास्त्री ने कहा, 'पिछले चार 5 साल में अश्विन और रविंद्र जडेजा ने मिलकर बेहतरीन स्पिन जोड़ी बनाई। दोनों एक दूसरे के पूरक रहे। मैं यह कहूंगा कि पिछले 5-6 साल में जडेजा के विकेटों में अश्विन का और अश्विन के विकेटों में जडेजा का बड़ा योगदान रहा। उन्होंने कहा, 'बाएं हाथ के और दाहिने हाथ के बल्लेबाजों के खिलाफ अश्विन का रिकॉर्ड एक सा रहा है जो उसके कौशल का सबूत है।

19 साल के कोंस्टास के पास रिकार्ड बनाने का अवसर

मेलबर्न। भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच चौथे टेस्ट मैच में 19 साल के युवा बल्लेबाज सैम कोंस्टास अगर पदार्पण करते हैं तो वह एक रिकार्ड अपने नाम करेंगे। कोंस्टास पिछले 70 साल में ऑस्ट्रेलिया के सबसे युवा टेस्ट बल्लेबाज होंगे। इससे पहले साल 1952 में इयान क्रेग ने 17 साल 239 दिन की उम्र में डेब्यू किया था। ऑस्ट्रेलिया ने कोंस्टास को बचे हुए दो टेस्ट मैचों के लिए टीम में शामिल किया है। कोंस्टास ने न्यू साउथवेल्स के लिए शेफील्ड शील्ड के दो मैचों में शतक जमाया। भारत ए के खिलाफ एमसीजी पर मैच में उन्होंने नाबाद 73 रन बनाए जबकि कैनबरा में भारत के खिलाफ प्रधानमंत्री एकादश के लिए गुलाबी गेंद के मैच में 107 रन की पारी खेली। ऑस्ट्रेलिया के मुख्य चयनकर्ता जॉर्ज बेली ने कहा, 'सैम को पहली बार टेस्ट टीम में शामिल किया गया है। उसकी बल्लेबाजी की शैली अलग है। हमें विश्वास है कि नाथन के पास काबिलियत है और उसे भविष्य में टेस्ट क्रिकेट में और मौके मिलेंगे। उसे बाहर रखने का फैसला कठिन था। कोंस्टास ने इस साल की शुरुआत में दक्षिण अफ्रीका में अंडर-19 विश्व कप में शानदार प्रदर्शन करने के बाद सीनियर क्रिकेट में अच्छी शुरुआत की है।

विश्व टेस्ट चैंपियनशिप फाइनल के लिए भारत ऑस्ट्रेलिया, और दक्षिण अफ्रीका में है टक्कर

मुम्बई। अगले साल होने वाले विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप (डब्लूयटी) फाइन की रेस में अभी भारत और ऑस्ट्रेलिया, और दक्षिण अफ्रीका की टीमें प्रबल दावेदार बनकर उभरी हैं, वहीं श्रीलंका और पाकिस्तान को जगह मिलना अन्य टीमों के भरोसे रहेगा। भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच तीसरे टेस्ट मैच के ड्रॉ रहने से फाइनल की दौड़ और करीबी हो गई है। आठ मैच बाकी हैं और फाइनल के लिए 3 टीमें दौड़ में हैं। इन 5 में से कोई भी टीम अभी तक फाइनल में जगह पक्की नहीं कर पाई है। बची हुई दो टीमें श्रीलंका और पाकिस्तान एक प्रकार से बाहर हैं क्योंकि उनके फाइनल में पहुंचने का समीकरण बेहद कठिन है। भारत के लिए सबसे असान रास्ता ये है कि वह बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी के बाकी के बचे हुए दोनों मैच जीत जाए जिससे अंक प्रतिशत 60.53 हो जाएगा और टीम बिना किसी अन्य परिणाम पर निर्भर रहे फाइनल में पहुंच जाएगी भारती टीम का जीत प्रतिशत अभी 57.02 है। वहीं ऑस्ट्रेलिया को क्वालीफाई करने के लिए 2 जीत और 1 ड्रॉ की जरुरत है। यदि ऑस्ट्रेलिया भारत के अगले दो मुकाबले ट्रॉ होते हैं तों उन्हें श्रीलंका के खिलाफ दो जीत की जरुरत होगी जिससे वे 58.77 पर पहुंचे और ये भारत के 57.02 अंक प्रतिशत से ज्यादा हो जाएगा। इसके अलावा दक्षिण अफ्रीका को पाकिस्तान से कम से कम 1-0 से हारना होगा। यदि ऑस्ट्रेलिया मेलबर्न और सिडनी में ये 2 टेस्ट जीतता है, तो वह अन्य परिणामों की परवाह किए बिना क्वालीफाई कर लेगा। दक्षिण अफ्रीका को फाइनल के लिए क्वालीफाई करने के लिए पाकिस्तान के खिलाफ अपने दो टेस्ट में से एक जीतना होगा पर अगर वह सीरीज 0-1 से हार जाता है तो ऑस्ट्रेलिया और भारत दोनों ही उससे आगे निकल सकते हैं। दोनों टेस्ट हारने पर दक्षिण अफ्रीका टीम 52.78 अंक पर आ जाएगा। ऐसे में भारत या ऑस्ट्रेलिया में से कोई एक टीम उसे पीछे कर सकती है। श्रीलंका टीम अगर ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 2-0 से सीरीज जीत ले तो भी अधिक से अधिक 53.85 तक पहुंच सकती है। उसके लिए समीकरण बेहद कठिन है। ऑस्ट्रेलिया, भारत और दक्षिण अफ्रीका तीनों को उससे नीचे रहने के लिए द. अफ्रीका को पाकिस्तान से 0-2 से ऑस्ट्रेलिया को भारत के विरुद्ध दो टेस्ट मैचों में एक जीत और एक ड्रॉ से अधिक नहीं मिलना चाहिए जबकि दक्षिण अफ्रीका को हारना होगा। जो संभव नहीं है। वहीं अब अपने बचे हुए चार में से चार मैचों में जीत के बाद भ पाककिस्तान 52.38 पर पहुंचेगा, जो कि द. अफ्रीका के 52.78 से थोड़ा कम होगा।

वसीम अकरम जैसे गेंदबाज हैं बुमराह : लैंगर

सिडनी। ऑस्ट्रेलिया के पूर्व मुख्य कोच जस्टिन लैंगर ने भारतीय टीम के तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह की जमकर प्रशंसा करते हुए कहा है कि वह पाकिस्तान के वसीम अकरम जैसा गेंदबाज है। बुमराह ने अब तक ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ सीरीज में भारतीय टीम की ओर से सबसे अधिक विकेट लिए हैं। बुमराह ने 10.90 की औसत से 21 विकेट लिए हैं। उन्होंने अब तक सीरीज में सलामी बल्लेबाजों को भी 4-4 बार आउट किया है। इसी को देखते हुए लैंगर ने कहा कि मैं भी उनका सामना नहीं करना चाहूंगा। वह अकरम की तरह गेंदबाजी करता है। वह एक प्रकार से अकरम का दाहिना हाथ का संस्करण नजर आता है। वहीं जब भी मुझसे यह सवाल पूछा जाता है कि आपके सामने अब तक का सबसे अच्छा गेंदबाज कौन है, तो मैं कहता हूं अकरम क्योंकि उनके पास अच्छी गति थी।

अश्विन के सामने नहीं टिक पाने से शर्मिंदा महसूस नहीं करता : एबेल

ठइंग्लैंड की काउंटी टीम समरसेट के क्रिकेटर टॉम एबेल ने भारतीय टीम के अनुभवी स्पिनर आर अश्विन की जमकर प्रशंसा करते हुए कहा है कि उनकी गेंद पर आउट होने में शर्म की कोई बात नहीं होती। एबेल ने कहा कि अश्विन महानतम गेंदबाज है। और उनका सामना करना बेहद कठिन होता है। इस क्रिकेटर ने काउंटी क्रिकेट में खेले गए एक मुकाबले को याद किया है। साल 2019 में समरसेट और नॉटिंघमशायर के बीच एक मैच उनका सामना अश्विन से हुआ था। काउंटी में लगातार अच्छे प्रदर्शन के बाद भी वह अश्विन की गेंदों के सामने टिक नहीं पाए। अश्विन के अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास की घोषणा के बाद एबेल ने अश्विन के साथ अपने उस मुकाबले को याद किया। उन्होंने स्वीकार किया कि उन्हें अश्विन से मुकाबले में अपना विकेट खोने में कोई शर्म नहीं है। एबेल ने कहा कि मैंने टीवी पर अश्विन को भारतीय टीम के लिए गेंदबाजी करते हुए देखा है। वह अब तक खेलने वाले सर्वश्रेष्ठ स्पिनरों में से एक है। वह महान ऑफ-स्पिन गेंदबाज है। उनके सामने कोई भी बल्लेबाज अपने को परख सकता है। मुझे अश्विन जैसी गुणवत्ता वाले खिलाड़ी के खिलाफ खेलने का अवसर मिलना सौभाग्य की बात रही है। इसलिए आउट होने का कोई मलाल नहीं है। अश्विन ने 2011 में वेस्टइंडीज के खिलाफ टेस्ट क्रिकेट में पदार्पण किया, जिससे रेड-बॉल क्रिकेट में एक शानदार करियर की शुरुआत हुई। उन्होंने 106 टेस्ट मैचों में शानदार 537 विकेट लिए। वह 37 बार एक पारी में पांच विकेट लेने का कारनामा कर चुके हैं जबकि उन्होंने 3,503 रन भी बनाये हैं। अश्विन ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 23 टेस्ट खेले, जिसमें 2.71 की प्रभावशाली इकॉनमी रेट से 115 विकेट लिए। 38 वर्षीय खिलाड़ी ने 2020-21 संस्करण के दौरान बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी सीरीज में सबसे अधिक 29 विकेट लेने का रिकॉर्ड भी था।

आईसीसी ने स्टंप पर लात मारने वाले क्लासेन पर जुर्माना लगाया

दुबई। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने बल्लेबाज हेनरिक क्लासेन पर आईसीसी आचार संहिता के लेवल एक नियम के उल्लंघन के लिए जुर्माना लगाया है। क्लासेन पर ये जुर्माना पाकिस्तान के खिलाफ खेले गए दूसरे एकदिवसीय में 97 रन पर आउट होने के बाद गुस्से में स्टंप पर लात मारने के लिए लगाया है। आईसीसी ने उनकी मैच फीस का 15 फीसदी जुर्माना लगाया है। क्लासेन ने इस मैच में शानदार बल्लेबाजी की थी। उन्होंने 74 गेंदों पर 97 रन बनाये , जिससे दक्षिण अफ्रीका की टीम 330 रनों तक पहुंच पायी। क्लासेन ने अंत तक बल्लेबाजी की और 43वें ओवर में आउट होने वाले अंतिम बल्लेबाज रहे। इस मैच में अफ्रीकी टीम को 81 रनों से हार का सामना करना पड़ा। हार गई. आउट होने के बाद निराश हुए क्लासेन ने स्टंप पर लात मारी, जिसके कारण आईसीसी ने उनपर जुर्माना लगाया। इस मैच में पाकिस्तान की जीत में बाबर आजम और कसान मोहम्मद रिजवान के अर्धशतकों की अहम भूमिका रही। इसके अलावा कामरान गुलाम ने भी 32 गेंदों में 63 रन बनाये।

पंजाब किंग्स को आईपीएल खिताब जिताने का प्रयास करेंगे श्रेयस अय्यर

मुम्बई। आईपीएल 2025 सत्र के लिए पंजाब किंग्स टीम के कसान बने श्रेयस अय्यर ने कहा है कि वह टीम को खिताब जिताने का पूरा प्रयास करेंगे। अय्यर को मेगा नीलामी में पंजाब ने 26.75 करोड़ में खरीदा था। वह आईपीएल इतिहास के दूसरे सबसे महंगे क्रिकेटर हैं। श्रेयस की कसानी में ही कोलकाता नाइट राइडर्स ने साल 2024 में आईपीएल खिताब जीता था। ऐसे में उनका प्रयास लगातार दूसरी बार आईपीएल खिताब जीतकर रिकार्ड बनाना रहेगा। इस साल 4 घरेलू टूर्नामेंट जीतने से भी श्रेयस के हौंसले बुलंद हैं। कि उनका आगामी लक्ष्य आईपीएल 2025 में पंजाब किंग्ग को खिताब दिलाना है। वह नए साल में पंजाब किंग्स को खिताब दिलाकर लगातार दो विभिन्न फ्रेंचाइजियों से खिताब जीतने वाले पहले कसान बनने की कोशिश करेंगे। अब तक खिताब नहीं जीत पायी पंजाब किंग्स ने आईपीएल मेगा नीलामी में इसी कारण उन्हें

खरीदा है। श्रेयस अय्यर के लिए 2024 एक शानदार वर्ष रहा है, उनकी कसानी में टीमों ने 4 ट्रॉफियां जीतीं। उनके नेतृत्व में, मुंबई ने 2024-25 सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी (एसएमएटी) जीती थी। बेंगलुरु के एम चिन्नास्वामी स्टेडियम में फाइनल में उनकी टीम ने ने मध्य प्रदेश को पांच विकेट से हराया था।

बहरहाल, अपनी हाल की उपलब्धियों को लेकर अय्यर आगामी आईपीएल सत्र को लेकर उत्साहित हैं। अय्यर ने एक वीडियो में कहा कि सैय्यद मुश्ताक अली ट्रॉफी जीतने के बाद यह एक अवास्तविक एहसास है। पर्दे के पीछे बहुत मेहनत की गई, और लड़कों ने अपने प्रदर्शन में जबरदस्त प्रदर्शन किया। अब, हम हैं इस हिस्से के साथ काम पूरा हो चुका है और अगली बड़ी चीज की ओर बढ़ रहा हूं, जो कि आईपीएल है। मैं पंजाब किंग्स का हिस्सा बनने के लिए बेहद उत्साहित हूं और पंजाब किंग्स परिवार में शामिल होने के लिए इंतजार नहीं कर सकता।

मेलबर्न टेस्ट में अहम भूमिका निभाएंगे विराट : बांगड़

नई दिल्ली। पूर्व क्रिकेटर संजय बांगड़ ने कहा है कि मेलबर्न में मेजबान ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ होने वाले चौथे क्रिकेट टेस्ट मैच में विराट कोहली अहम भूमिका निभाएंगे। बांगड़ ने कहा कि विराट ने अतीत में भी मेलबर्न मैदान (एमसीजी) पर काफी रन बनाये हैं। ऐसे में वह इस बार भी अवसर का इस्तेमाल करते हुए बड़ी पारी खेलेंगे। साथ ही कहा कि विराट के पास इस अवसर का उपयोग कर लय हासिल करना रहेगा। वह एक बार फिर अपने पर कायम भरोसे को बरकरार रखेंगे। इस सीरीज में अब तक कोहली का फॉर्म मिला-जुला रहा है। पर्थ में उनके शतक ने भारत की जीत में अहम भूमिका निभाई पर इसके अलावा वह कोई बड़ी पारी नहीं खेल पाये। 6 पारियों में 30 की औसत से केवल 126 रन बनाने वाले कोहली निरंतरता के लिए जाने जाते हैं जिसमें वह विफल रहे।

अपने पर्थ शतक को छोड़कर उन्होंने 5 पारियों में केवल 26 रन बनाए हैं। टेस्ट सीरीज में कोहली एक बार फिर से ऑफ-स्टंप के बाहर की गेंदों पर विकेट गंवाते दिखे हैं। ऑस्ट्रेलियाई गेंदबाजों ने इस कमजोरी का पूरा लाभ उठाया है। बांगड़ का मानना है कि क्रीज पर धैर्य और शांत रवैया अपनाकर कोहली इस समस्या से बच सकते हैं। बांगड़ ने कहा कि कभी-कभी आपको एक बल्लेबाज के रूप में अपनी स्थिति को थोड़ा नियंत्रण में रखने की आवश्यकता होती है। जब आप खेल के प्रति थोड़ा समर्पण करते हैं, थोड़ा समय बिताते हैं, कुछ समय के लिए बीच में आराम करते हैं, गेंदबाज के आपके पास आने का इंतजार करते हैं, और खुद गेंदबाज के पास नहीं जाते हैं, यह एक बड़े खिलाड़ी की निशानी है।

एमसीजी का मैदान पर कोहली के लिए रन लेकर आता है। इस मैदान पर वो 52.66 की औसत से 316 रन बना चुके हैं। 2014 के बॉक्सिंग डे टेस्ट में उन्होंने इसी मैदान पर 169 रन बनाए थे। मेलबर्न की पिच उछाल के लिए जानी जाती है, ऐसी परिस्थितियां अक्सर कोहली को रास आती हैं। बांगड़ ने कहा कि कोहली को अपने फ्रंट पैड के करीब गेंदों को खेलने पर ध्यान देने की जरूरत है, एक ऐसा तरीका जो उन्हें लय और प्रवाह हासिल करने में मदद कर सकता है। जितनी संभव हो उतनी गेंदें अपने फ्रंट पैड के करीब खेलें और फिर रन बनेंगे।

ऑस्ट्रेलियाई टीम से बाहर होने से हताश हैं मैकस्वीनी

गाबा। ऑस्ट्रेलिया के युवा बल्लेबाज नाथन मैकस्वीनी बॉर्डर गावस्कर सीरीज के अंतिम दो मैचों के लिए टीम में जगह हासिल नहीं कर पाने से बेहद निराश हैं। मैकस्वीनी ने कहा है कि वह बेहद दुखी है पर अपना हौंसला बनाये रखते हुए दोबारा मेहनत कर टीम में जगह बनाएंगे। मैकस्वीनी सीरीज में मिले तीन टेस्ट मैचों में अवसरों का लाभ नहीं उठा पाने के कारण क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया (सीए) ने अंतिम दो मैचों के लिए जगह नहीं देते हुए युवा सैम कोंटास को अवसर दिया है। मैकस्वीनी ने माना है कि टीम से बाहर होने से वह टूट चुके हैं। मैकस्वीनी ने कहा कि, हां मैं टूट गया हूं। ऑस्ट्रेलिया के लिए खेलने का मेरा सपना सच हुआ पर उस तरह से नहीं, जैसे मैं चाहता था। खेल में ऐसा होता है। मैं कड़ी मेहनत करके अगले अवसरों के लिए अपने को तैयार करूंगा। मैकस्वीनी ने पर्थ में भारतीय टीम के खिलाफ पहले टेस्ट क्रिकेट में डेब्यू किया पर पिछली 6 पारियों में वह एक बार फिर 39 रनों से ज्यादा नहीं बना पाये। उन्हें सीरीज में चार बार भारतीय तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह ने आउट किया। ऐसे में देखा जाये तो उनके टीम से बाहर जाने में बुमराह का सबसे बड़ा हाथ रहा है। मैकस्वीनी ने कहा कि, क्रिकेट में ऐसा ही है। अवसर मिलने पर अच्छा नहीं खेलने से जगह हाथ से निकल जाती है।

रोहित की बेटी समायरा ने स्कूल के वार्षिक समारोह में किया डांस, वीडियो सामने आया

मुम्बई। भारतीय क्रिकेट टीम के कप्तान रोहित शर्मा जहां ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ टेस्ट सीरीज खेल रहे हैं। वहीं उनकी बेटी ने स्कूल में सालाना वार्षिक समारोह में शानदार डांस कर सबका ध्यान खींचा है। समायरा धीरूभाई अंबानी इंटरनेशनल स्कूल में पढ़ती है। स्कूल के इस वार्षिक समारोह में समायरा अपनी मम्मी रितिका सजदेह के साथ पहुंची थी। समायरा की स्कूल के कार्यक्रम की एक वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रही है, जिसमें वह डांस कर रही हैं। वहीं रितिका दर्शकों के बीच बैठकर इसे देखती नजर आईं। वह इस दौरान तालियां बजाकर बेटी का उत्साह बढ़ाती भी नजर आयीं। समायरा इस माह के अंत में 6 साल की हो जाएगी। दूसरी ओर भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी का चौथा टेस्ट मैच 26 दिसंबर से मेलबर्न क्रिकेट मैदान में खेला जाना है। इस टेस्ट को बॉक्सिंग डे टेस्ट भी कहा जाता है। हालांकि यह सीरीज इस वक्त काफी रोमांचक मोड़ पर खड़ी है। 3 टेस्ट मैच के बाद सीरीज 1-1 की बराबरी पर चल रही है।

शिखर धवन, कार्तिक और अश्विन सहित 9 भार9तीय खिलाड़ियों ने इस साल सभी प्रारुपों से संन्यास लिया

रोहित, विराट और जडेजा ने टी20 को अलविदा कहा

मुम्बई। इस साल भारतीय टीम के करीब एक दर्जन खिलाड़ियों ने संन्यास लिया। इसमें शिखर धवन और दिनेश कार्तिक से लेकर कसान रोहित शर्मा, विराट कोहली, रविन्द्र जडेजा और अंत में आर अश्विन हैं। धवन, कार्तिक और अश्विन सहित 9 खिलाड़ियों ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट के सभी प्रारुपों से संन्यास लिया है। वहीं रोहित , विराट और जडेजा ने टी20 प्रारुप को अलविदा कहा है ये एकदिवसीय और टेस्ट प्रारुप खेलते रहेंगे। इसके अलावा इस सूची में वह खिलाड़ी भी शामिल हैं जिन्हें अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कम मैच खेलने को

मिले हैं। शिखर धवन और दिनेश कार्तिक ने इसी साल सबसे पहले संन्यास लिया। इन दोनों ने सभी प्रारुपों से संन्यास का ऐलान किया था। धवन ने आखिरी टेस्ट 2018 में, टी20 2021 में और एकदिवसीय 2022 में खेला था। वहीं कार्तिक ने आखिरी टेस्ट 2018, एकदिवसय 2019 और टी20 2022 में खेला था। ऑस्ट्रेलिय के खिलाफ तीसरे टेस्ट के बाद आर अश्विन ने भी सभी प्रारुपों से संन्यास ले लिया है।पर्थ में खेले गए पहले टेस्ट में उन्हें जगह नहीं मिली तो अश्विन संन्यास का ऐलान करना चाहते थे, मगर रोहित शर्मा ने उन्हें एडिलेड टेस्ट तक रोका जहां उन्हें प्लेइंग इलेवन में जगह नहीं मिली है। जब तीसरे टेस्ट में उन्हें फिर से ड्रॉप किया गया तो उन्होंने संन्यास की घोषणा कर दी। अश्विन ने अंतिम बार टी20 2022 में तो एकदिवसीय 2023 में खेला था। इसके अलावा बंगाल के क्रिकेटर सौरभ तिवारी ने भी सभी प्रारुपों से संन्यास ले लिया। संन्यास लेने वाले अन्य खिलाड़ियों में वरुण एरोन, केदार जाधव, बरिंदर सरन, ऋद्धिमान साहा, सिद्धार्थ कौल जैसे खिलाड़ी शामिल हैं।

मिनर्वा हॉस्पिटल या होटल! अन्दर गए तो लुट के आओगे बाहर

बिना ऑपरेशन के ही बना दिया अधेड़ का ऑपरेशन वाला डेढ़ लाख का बिल, परिजनों के विरोध करने पर हुआ खुलासा

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। निजी अस्पतालों के मनमाना रवैए को लेकर शासन और प्रशासन के द्वारा इन दिनों किसी भी प्रकार का कोई एक्शन नहीं लिया जा रहा हैं जिसके चलते रीवा जिले के तमाम प्रायवेट हॉस्पिटल और नर्सिंग होम संचालक लगातार अपनी मनमानी पर उतारू हो गए हैं तथा छोटी-मोटी बीमारियों पर भी वह उन के दून कमाई करते जा रहे हैं मगर जिम्मेदार बेपरवाह होकर कमरे में बैठे आराम फरमा रहे हैं।

रीवा के पुराने बस अड्डे पर संचालित मिनर्वा दा मेडिसिटी नाम की प्रायवेट अस्पताल से ताजा मामला कुछ इसी प्रकार से निकल कर सामने आया है। जहां राई की बीमारी में पहाड़ काटने की बात करके मरीज से लाखों रूपये ठगने का प्रयास किया जा रहा था जिसके बाद मरीज के परिजनों ने घटना का विरोध किया तो अस्पताल प्रबंधन के हाथ पांव फूलने लगे और ले दे कर तुरंत ही मामले को रफा दफा कर दिया।

दरअसल मिनर्वा अस्पताल में कुछ दिनों पूर्व एक अधेड़ व्यक्ति को भर्ती किया गया था जिसका इलाज सुपर स्पेशियलिटी हॉस्पिटल में सरकारी सेवाएं दे रहे न्यूरोलॉजिस्ट सोनपाल जिंदल ने किया था जिसमें डॉक्टर जिंदल ने सामान्य ट्रीटमेंट की बात की थी मगर जब मरीज को अस्पताल से डिस्चार्ज दिलाने की बारी आई तो अस्पताल प्रबंधन मोटी पर्ची का बिल थामा दिया गया जिसमें बकायदा लिखा हुआ था कि डेढ़ लाख रुपए ऑपरेशन चार्ज हैं जबकि डॉक्टर सोनपाल जिंदल ने पहले ही यह बात स्पष्ट कर दी थी कि उनके द्वारा मरीज का कोई ऑपरेशन या सर्जरी नहीं की गई है फिर भी अस्पताल स्टाफ बात पर अड़ गया और एक्स्ट्रा डेढ़ लाख रुपए की मांग करने लगा जिसके बाद परेशान परिजनों ने घटना की शिकायत का हवाला देते हुए विरोध दर्ज कराया तो आनन फानन में अस्पताल के आकाओं ने मैनेजमेंट बनवाकर मामला शांत कराया। बताया जा रहा है कि मिनर्वा अस्पताल में आए दिन इस तरह के मामले सामने आते रहते हैं जहां छोटी से छोटी बीमारी को बड़ा दिखाकर अस्पताल प्रबंधन लोगों के साथ लूट की घटना को अंजाम देता है।

प्रति घंटे की कीमत लाख रुपए

जानकार बताते हैं कि मिनर्वा अस्पताल के डॉक्टर दिल्ली के एम्स को चुनौती देते हुए बड़े से बड़े इलाज को ठीक करने का दावा करते हैं, जिसके कारण कोई भी मरीज सामान्य इलाज के लिए अगर अस्पताल घूमने भी जाए तो एक घंटे की एक लाख रुपए कीमत बनाकर उसे हद से ज्यादा लूट लिया जाता है और सामान्य बीमारी में भी अस्पताल प्रबंधन की तरफ से लाखों रुपए ऐंठने के बाद वही पुराना डॉक्टरों द्वारा रटा रटाया जबाव (नो मोर) दे दिया जाता है।

रीवा से मडगांव गोवा के बीच शुरू हुई विंटर स्पेशल ट्रेन

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। रेलवे द्वारा रीवा से मडगांव गोवा के बीच विंटर स्पेशल ट्रेन चलाई जा रही है। रविवार की दोपहर 12 बजे अपने निर्धारित समय में यह ट्रेन रीवा से गोवा के लिए रवाना हुई। पहली ट्रिप में इस ट्रेन को जबरदस्त रिस्पांस मिला और पूरी तरह से पैक होकर यह ट्रेन रीवा से गोवा के लिए रवाना हुई। ट्रेन में वेटिंग लिस्ट 100 के ऊपर बताई जा रही है। हालांकि इस ट्रेन का वापसी का शेड्यूल लोगों को पसंद नहीं आ रहा है। यह ट्रेन सोमवार की रात मडगांव पहुंचेगी और एक घंटे बाद वापस रीवा के लिए रवाना हो जाएगी। लोगों का कहना है कि अगर इस ट्रेन को एक दो दिन मडगांव में रोककर फिर रीवा के लिए रवाना किया जाता तो लोगों को वापसी में ज्यादा दिक्कत नहीं होती।

कोदो की रोटी खाने से बिगड़ी दंपति की तबीयत, अस्पताल में हुई मौत

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। जिले के सेमरिया थाना क्षेत्र के ग्राम बभौनी में कोदो खाने से वृद्ध दंपति की मौत का मामला सामने आया है। हालांकि दोनों को परिजनों द्वारा उपचार के लिए संजय गांधी अस्पताल रीवा लाया गया था। जहां 20 दिसंबर की शाम पत्नी की मौत हो गई, जबकि आज पति ने भी दम तोड़ दिया। चिकित्सकों ने शव का मेडिकल परीक्षण कर जांच के लिए पुलिस को दे दिया है। बतादें कि ग्राम बभौनी निवासी मानवती पाल और कन्हैलाल को उपचार के लिए संजय गांधी अस्पताल में 19 तारीख को लाया गया था। परिजनों ने चिकित्सकों को बताया कि दोनों ने कोदो की रोटी खाई थी, जिसके बाद उनके पेट में दर्द हुआ और हालत बिगड़ने लगी। बताया जा रहा है कि पीएम के दौरान चिकित्सकों को यूरिया के भी कुछ अंश मिले हैं। हालांकि चिकित्सकों ने कोदो की रोटी खाने से मौत की पुष्टि नहीं की है। उनका कहना है कि पॉइजनिंग का कोई और कारण हो सकता है, जो जांच के बाद ही सामने आएगा।

तीन पीएम आवास पर जबरन कब्जे को पुलिस ने कराया खाली

मऊगंज भाजपा विधायक धरने पर बैठे

मऊगंज ऑडीटर, रीवा (निप्र)। मऊगंज में तीन घरों में किए गए जबरन कब्जे को भारी पुलिस बल की मौजूदगी में खाली करा दिया गया। बता दें कि मऊगंज जिले के पथरहा गांव निवासी हरिजन परिवार के तीन घरों में किए गए अवैध रूप से कब्जे को खाली कराने को लेकर विधायक अड़े हुए थे। बताया जा रहा है कि पथरहा गांव निवासी तीन हरिजन परिवार द्वारा प्रधानमंत्री आवास बनाए गए थे। लेकिन इन घरों में मुस्लिम परिवारों ने कई महीनों से कब्जा कर लिया था। जिसको लेकर हरिजन और मुस्लिम परिवारों के बीच कई बार विवाद भी हुआ था। मामला न्यायालय तक पहुंच गया। इसी मामले को लेकर शनिवार की शाम पीड़ित हरिजन परिवार की महिलाएं मऊगंज भाजपा विधायक प्रदीप पटेल से मिलने उनके आवास आ गई और उन्होंने विधायक से अपनी समस्याएं सुनाई। जिसके बाद भाजपा विधायक सीधे पथरहा गांव पहुंच गए और प्रशासन से घर खाली कराने को कहा। उन्होंने कहा कि जब तक हरिजन परिवारों का घर खाली नहीं होता तब तक यहीं बैठे रहेंगे।

विधायक देर शाम तक अपनी बात पर अड़े रहे। जिसके बाद रविवार सुबह बड़ी संख्या में पुलिस बल पथरहा गांव पहुंचा और जहां तीनों मकान में किए गए कब्जे को हटा दिया गया। फिलहाल मौके पर स्थिति सामान्य बनी हुई।

श्यामशाह चिकित्सा महाविद्यालय में अकादमिक पुरस्कार वितरित में उपमुख्यमंत्री ने कहा-

रीवा को मेडिकल हब बनाने के लिये सभी सुविधाएं उपलब्ध कराई जा रहीं

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल ने कहा कि रीवा को मेडिकल हब बनाने के लिये सभी सुविधाएँ उपलब्ध कराई जा रही हैं। अधोसंरचना निर्माण, भवन निर्माण के साथ ही आवश्यक उपकरणों की उपलब्धता कराकर उत्कृष्ट चिकित्सा सुविधा प्रदान की जायेगी ताकि यहाँ के लोगों को इलाज के लिये बाहर न जाना पड़े अपितु बाहर से भी लोग इलाज के लिये रीवा आयें। शुक्ल ने श्यामशाह चिकित्सा महाविद्यालय में वर्ष 2024 के अकादमिक पुरस्कारों का वितरण किया।

श्यामशाह चिकित्सा महाविद्यालय आडिटोरियम में आयोजित कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए उप मुख्यमंत्री ने कहा कि रीवा के श्यामशाह मेडिकल कालेज का गौरवशाली इतिहास रहा है। पूर्व में यहां स्नातक चिकित्सा शिक्षा की 60 सीटें थी जो अब 150 हो गई हैं। इसी प्रकार पीजी की सीट भी 250 हैं। शीघ्र ही सुपर स्पेशलिटी अस्पताल में संचालित 6 विभागों के डीएम व एमसीएच के पाठ्यक्रम भी शुरू होंगे। उन्होंने शिक्षा ग्रहण करने वाले विद्यार्थियों से अपील की कि पूरे लगन से पढ़ाई करें तथा मानवता की सेवा कर अपने संस्थान का ऋण उतारें। शुक्ल ने कहा कि रीवा में हृदय रोग के जटिल ऑपरेशन हो रहे हैं साथ ही किडनी ट्रांसप्लांट भी हो रहा है जिसकी चर्चा प्रदेश स्तर पर भी हो रही है। उन्होंने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में भी जिला अस्पताल जैसी चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराई जायेगी साथ ही चिकित्सकों के लिये आवासीय परिसर निर्मित कराये जायेंगे। उन्होंने कहा कि ग्रामीण चिकित्सा सुविधाओं में वृद्धि करके ही मातृ एवं शिशु मृत्यु दर में कमी लाई जा सकती है। शुक्ल ने मध्यप्रदेश व रीवा को स्वास्थ्य के पैरामीटर में अव्वल बनाने में चिकित्सकों से परामर्श देने की बात कही ताकि स्वास्थ्य सुविधाओं में वृद्धि के प्रयास जारी रखे जा सकें। उन्होंने पुरस्कृत चिकित्सकों व स्टाफ सदस्यों को बधाई दी।

कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए पूर्व डीन डॉ. ए.पी.एस. गहरवार ने कहा कि रीवा का सौभाग्य है कि उप मुख्यमंत्री जी जैसे कर्मठ व सकारात्मक सोच वाले व्यक्ति को चिकित्सा शिक्षा मंत्रालय का दायित्व मिला है जिससे रीवा में स्वास्थ्य सुविधाओं के क्षेत्र में उल्लेखनीय प्रगति होगी। डीन मेडिकल कालेज डॉ. सुनील अग्रवाल ने कहा कि उप मुख्यमंत्री जी के मार्गदर्शन में रीवा में चिकित्सा के क्षेत्र में नित नये आयाम स्थापित हो रहे हैं। अधोसंरचना विकास व सुविधाओं से रीवा मेडिकल हब बनने की ओर अग्रसर है। कार्यक्रम को अधीक्षक डॉ. राहुल मिश्रा ने भी संबोधित किया। डॉ. शशि जैन ने स्वागत उद्बोधन देते हुए अकादमिक पुरस्कार आयोजन की जानकारी दी। इस दौरान डॉ. मनोज इंदुलकर, डॉ. हरि ओम गुप्ता, डॉ. व्हीडी त्रिपाठी, डॉ. नीरा मराठे, डॉ. अरूणा सिंह, डॉ. सुजाता लखटकिया, कमलेश सचदेवा, डॉ. अनुराग चौरसिया सहित चिकित्सक, चिकित्सा स्टाफ तथा छात्र-छात्राएँ उपस्थित रहे।

स्व. भैयालाल शुक्ल स्मृति क्रिकेट टूर्नामेंट का हुआ समापन

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। स्व. भैयालाल शुक्ल स्मृति टेनिस बाल क्रिकेट टूर्नामेंट का समापन प्रदेश के उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल के मुख्य आतिथ्य में हुआ। उप मुख्यमंत्री ने विजेता व उप विजेता टीम को पुरस्कृत किया। विश्वविद्यालय स्टेडियम में राष्ट्रीय एकता मंच के तत्वाधान में आठ दिवसीय क्रिकेट टूर्नामेंट के समापन अवसर पर उप मुख्यमंत्री शुक्ल ने कहा कि मेरे पूज्य पिता जी की पुण्य स्मृति में प्रतिवर्ष आयोजित होने वाले टूर्नामेंट के आयोजक बधाई के पात्र हैं। इस आयोजन में मेरा कोई योगदान नहीं रहता आयोजक अपनी क्षमता के साथ समर्पणभाव से आयोजन करते है। इस आयोजन में आकर पूज्य पिताजी की याद ताजा हो जाती है। उनका चरित्र, संस्कार व सेवाभाव सही रास्ते पर जाने की प्रेरणा देता है। शुक्ल ने विजेता व उप विजेता टीम को बधाई देते हुए कहा कि हार में भी जीत है अतः जो टीम जीती वह तो बधाई की पात्र है ही बल्कि जो हारी है वह आगे पूरी तैयारी से प्रतियोगिता में भाग लेगी।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए नगरीय विकास एवं आवास राज्य मंत्री प्रतिमा बागरी ने कहा कि क्रिकेट हमारे देश का हर वर्ग का लोकप्रिय खेल है। प्रधानमंत्री जी ने खेलों की लोकप्रियता के लिये खेलों इंडिया खेलों का संदेश दिया है जिससे हमारे देश के खिलाड़ी राष्ट्रीय व अर्न्तराष्ट्रीय स्तर पर सभी खेल विधाओं में अपना परचम लहरा रहे हैं। बागरी ने कहा कि खेल जीवन में आगे बढ़ने व स्वस्थ्य शरीर के लिये आवश्यक है। उन्होंने आयोजकों को उत्कृष्ट खेल प्रतियोगिता आयोजन की बधाई दी। प्रतियोगिता में विजेता टीम शिवान्या होम्स जबलपुर को 3 लाख रूपये तथा ट्राफी प्रदान की गई जबकि उप विजेता के.टी. रिसोर्ट एवं कामधेनु टीम को 1.5 लाख रूपये तथा ट्राफी पुरस्कार स्वरूप प्रदान की गई। इ स अवसर पर जिला पंचायत अध्यक्ष नीता कोल, कुलगुरू अवधेश प्रताप सिंह विश्वविद्यालय डॉ. राजकुमार आचार्य, पूर्व विधायक केपी त्रिपाठी, अध्यक्ष नगर निगम व्यंकटेश पाण्डेय, डॉ. राहुल मिश्रा, राजेश पाण्डेय, वार्ड पार्षदगण तथा बड़ी संख्या में खेल प्रेमी जन उपस्थित रहे।

उमरी गांव में हाईवे पर भारी वाहन की चपेट में आने से मौत

शरीर के परखच्चे उड़ गए, नहीं हुई शिनाख्त

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। जिले के चोरहटा थाना क्षेत्र में एक व्यक्ति की भारी वाहनों की चपेट में आने से मौत हो गई। घटना इतनी दर्दनाक थी कि मृतक की पहचान तक नहीं हो पा रही है। हादसे में शरीर के परखच्चे उड़ गए। घटना की जानकारी मिलने के बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को संजय गांधी अस्पताल में रखवाया है। घटना बीती रात चोरहटा थाना क्षेत्र के उमरी गांव के हाईवे में हुई। पुलिस के मुताबिक मृतक की उम्र लगभग 50 वर्ष है, जिसके शरीर पर नीली शर्ट और काला पैंट है। जिसके आधार पर उसकी पहचान करने का प्रयास किया गया है। घटना के संबंध में स्थानीय लोगों ने बताया कि मृतक को कुछ समय पहले यहां देखा गया था। जिसकी भाषा के आधार पर पता चल रहा है कि वह किसी अन्य स्थान का व्यक्ति है। हालांकि अभी तक मृतक की पहचान नहीं हो पाई है। फिलहाल मृतक के शव को पीएम के लिए संजय गांधी अस्पताल में रखा गया है और उसकी पहचान के प्रयास किये जा रहे हैं।

उप मुख्यमंत्री ने रिवर फ्रंट व सीवरेज ट्रीटमेंट प्लांट का किया निरीक्षण

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल ने प्रातः भ्रमण के दौरान पचमठा से कोतवाली घाट तक निर्माणाधीन रिवर फ्रंट फेज-2 का निरीक्षण किया। उन्होंनें निर्माण एजेंसी को शीघ्रता से कार्य पूर्ण करने के निर्देश दिये। उप मुख्यमंत्री ने सीवरेज ट्रीटमेंट प्लांट का निरीक्षण कर इनका निर्माण शीघ्र पूर्ण करने के निर्देश दिये। इस दौरान निर्माण एजेंसी के अधिकारी उपस्थित रहे।

पिकनिक स्पॉट में प्रेमी जोड़े को लूटने व अश्लीलता करने वालों तक पहुंची पुलिस

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। रीवा में प्रेमी जोड़े को आपत्तिजनक हालत में पकड़कर उनके रुपए छीनने और अश्लीलता करने के मामले का वीडियो वायरल होने के बाद पुलिस ने घटना स्थल का पता लगा लिया है। पीड़ित युवक और युवती तक भी पुलिस पहुंच गई है अब उनसे शिकायत लेकर आरोपियों के खिलाफ कार्यवाही की जा रही है। पुलिस ने संदेह के आधार पर कुछ युवकों को पूछताछ के लिए पकड़ा भी है। बतादें कि शुक्रवार को एक वीडियो वायरल हुआ था जिसमें पिकनिक स्पॉट पर आपत्तिजनक हालत में मौजूद युवक और युवती को स्थानीय युवकों ने शिकार बनाते हुए युवक से रुपए छीनने और युवती के साथ अश्लील हरकत भी की थी। वीडियो संज्ञान में आते ही पुलिस अधीक्षक विवेक सिंह ने तत्काल सभी पिकनिक स्पॉटों को सर्च कर घटना स्थल का पता लगाने के निर्देश दिए थे। पुलिस को घटना स्थल,,, गढ़ थाना के लालगांव चौकी क्षेत्र का क्योटी जल प्रपात में मिला। जहां चट्टा के नीचे युवक और युवती आपत्तिजनक हालत में मौजूद थे। यह वीडियो चार से पाच महीने पुराना बताया जा रहा है। बताया गया है कि आरोपियों ने युवक से फोन पे में रुपए डलवाए थे उक्त आरोपियों का मोबाइल नंबर पुलिस के हाथ लगा है। जिसके आधार पर उनकी पहचान के प्रयास किए जा रहे हैं सभी आरोपी स्थानी बताए जा रहे हैं।

अधिकारियों ने छात्रावास, आंगनवाड़ी केन्द्र और खरीदी केन्द्रों में दी दस्तक

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। रीवा संभाग के सभी जिलों में प्रशासन गांव की ओर अभियान के तहत 19 दिसम्बर से 24 दिसम्बर तक सुशासन सप्ताह मनाया जा रहा है। साथ ही शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में 15 दिसम्बर से मुख्यमंत्री जनकल्याण अभियान के तहत शिविरों का आयोजन किया जा रहा है। इन शिविरों में आमजनता के आवेदनों का मौके पर निराकरण करने के साथ पात्र हितग्राहियों को विभिन्न योजनाओं से लाभान्वित किया जा रहा है। कमिश्नर बीएस जामोद की विशेष पहल से संभागीय अधिकारी संभाग के सभी जिलों का लगातार भ्रमण कर रहे हैं। अधिकारियों द्वारा जनकल्याण शिविरों में शिरकत करने के साथ-साथ आंगनवाड़ी केन्द्र, स्कूल, छात्रावास, धान उपार्जन केन्द्र तथा उचित मूल्य दुकानों का निरीक्षण किया जा रहा है। विभिन्न विभागों के वरिष्ठ अधिकारी ग्राम स्तरीय कार्यालयों में दस्तक दे रहे हैं।

भ्रमण के क्रम में चीफ इंजीनियर विद्युत मण्डल आईके त्रिपाठी ने सिंगरौली जिले के ग्राम पंचायत पिपरा झांपी में लगाए गए जनकल्याण शिविर में शिरकत की। संयुक्त संचालक महिला एवं बाल विकास ऊषा सिंह सोलंकी ने भ्रमण के दौरान मऊगंज जिले में शासकीय कन्या हाईस्कूल देवतालाब और प्राथमिक शाला का निरीक्षण किया। संयुक्त संचालक ने आंगनवाड़ी केन्द्र और मध्यान्ह भोजन के किचन का निरीक्षण किया। उन्होंने मध्यान्ह भोजन की गुणवत्ता के संबंध में समूह के सदस्यों को निर्देश दिए। सोलंकी के साथ क्षेत्रीय संचालक स्वास्थ्य डॉ केएल नामदेव ने भी निरीक्षण में सहभागिता निभाई। अतिरिक्त संचालक उच्च शिक्षा डॉ आरपी सिंह ने सिंगरौली जिले के ग्राम पंचायत इटार में आयोजित शिविर में भाग लिया। इस क्रम में सहायक आयुक्त आबकारी कीर्ति दुबे ने प्राथमिक शाला एसएएफ का निरीक्षण किया। उन्होंने बच्चों से पठन-पाठन की जानकारी ली।

उप संचालक मण्डी अतुल चतुर्वेदी ने गत दिवस माध्यमिक शाला तथा आंगनवाड़ी केन्द्र बरेही का निरीक्षण किया। उन्होंने मध्यान्ह भोजन की गुणवत्ता के संबंध में समूह से जानकारी ली तथा ग्राम बरेही और गोरबा में आयोजित जनकल्याण शिविर में शामिल हुए। चतुर्वेदी ने माध्यमिक शाला बुड़वा और कन्या शाला हाईस्कूल रायपुर कर्चुलियान का भी निरीक्षण किया। कमिश्नर जामोद द्वारा निरीक्षण के लिए बनाए गए दल के सदस्यों संयुक्त संचालक डॉ राजेश मिश्रा, सहायक संचालक उद्यानिकी योगेश पाठक, कार्यपालन यंत्री जल संसाधन मनोज तिवारी ने गत दिवस मऊगंज जिले के हर्दी में आयोजित जनकल्याण शिविर में सहभागिता निभाई। शिविर में आयुष्मान भारत योजना से 70 वर्ष से अधिक आयु के 170 व्यक्तियों के कार्ड बनाए गए। पशुपालन विभाग को केसीसी के लिए 12 किसानों ने आवेदन दिए। शिविर में जमीन के नक्शे के सुधार के लिए 55 और अविवादित नामांतरण के 10 आवेदन भी दर्ज किए गए। सहायक संचालक पिछड़ावर्ग योगेन्द्र राज ने 21 दिसम्बर को सिंगरौली जिले में पजरेह में अनुसूचित जाति बालक छात्रावास, अनुसूचित जनजाति बालक छात्रावास तथा दो अन्य छात्रावासों का निरीक्षण किया। उन्होंने छात्रावास की साफ-सफाई, भोजन व्यवस्था और विद्यार्थियों के स्वास्थ्य परीक्षण के संबंध में निर्देश दिए। संयुक्त संचालक सामाजिक न्याय अनिल दुबे ने 22 दिसम्बर को ग्राम बम्हौरी जिला रीवा में आयोजित जनकल्याण शिविर में भाग लेकर विभागीय योजनाओं की जानकारी दी। संयुक्त संचालक दुबे, संयुक्त संचालक उद्योग एमएन वास्तव तथा उपायुक्त जनजातीय कार्य विभाग ने धान खरीदी केन्द्र बम्हौरी का निरीक्षण किया। इसी तरह अन्य अधिकारी भी लगातार ग्रामीण क्षेत्र का भ्रमण कर रहे हैं।

प्रभारी मंत्री ने स्वर्गीय केशव प्रसाद पाण्डेय को श्रद्धांजलि दी

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। पंचायत एवं ग्रामीण विकास तथा श्रम मंत्री एवं जिले के प्रभारी मंत्री प्रहलाद सिंह पटेल ने वरिष्ठ नेता एवं पितृपुरूष स्वर्गीय केशव पाण्डेय के निवास पहुंचकर उनके छाया चित्र पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि अर्पित की तथा दुःख की इस घड़ी में स्वर्गीय पाण्डेय के पुत्र राजेश पाण्डेय को सांत्वना दी। प्रभारी मंत्री ने कहा कि स्वर्गीय पाण्डेय का सादगीपूर्ण, कर्मठतापूर्ण, स्नेहशील व समर्पित व्यक्तित्व सदैव स्मरणीय रहेगा।

स्वत्वाधिकारी मुद्रक/प्रकाशक संदीप द्विवेदी द्वारा मीडिया ऑडीटर पब्लिकेशन प्रा.लिमि. राजीव मार्ग निराला नगर रीवा से मुद्रित कर मीडिया ऑडीटर कार्यालय राजीव मार्ग निराला नगर रीवा से प्रकाशित, **संपादक संदीप द्विवेदी**, आर.एन.आई नं. 69082/97, डाक पंजीयन क्र.- म. प्र./ रीवा संभाग/ 46/2023-2025, प्रधान कार्यालय रीवा (सिटी कार्यालय चक्रधर सिटी सेंटर रीवा) फोन. नं. 9589645803, 7974467831 Mediaauditor1@gmail.com सभी विवादों का न्याय क्षेत्र रीवा होगा।